

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 02 अक्टूबर 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

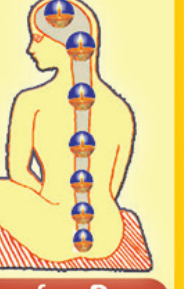
क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योग: सॉच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता में वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।
क्रियायोग
हं क्षं
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास



दिल्ली-मुंबई समेत 8 शहरों में एयरटेल की सर्विस शुरू, जियो अगले साल देशभर में 5जी देगा

देश में आया 5जी, पीएम ने की लॉन्चिंग

नई दिल्ली: देश में एक अक्टूबर से 5जी मोबाइल सर्विस का शुरुआत हो गई है। इंडियन मोबाइल कांग्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5जी सर्विस लॉन्च की। 5जी के आने से इंटरनेट स्पीड 4जी की तुलना में करीब 10 गुना बढ़ जाएगा। दिल्ली के प्रमोत मैदान में टेलीकॉम इंडस्ट्री के बड़े इवेंट इंडियन मोबाइल कांग्रेस के छठे एडिशन की शुरुआत हुई है। ये इवेंट 4 दिन तक चलेगा। एयरटेल ने की 8 शहरों से 5जी शुरुआत एयरटेल के चेयरमैन सुनील मिश्रा ने 8 शहरों से 5जी की शुरुआत का ऐलान किया। इनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, वाराणसी, बेंगलुरु, हैदराबाद और सिलीगुड़ी है। एयरटेल का मार्च 2024 तक पूरे देश में 5जी सर्विस पहुंचाने का प्लान है।

ये संचार क्रांति है, शानदार पलों की साक्षी बना काशी: 5जी नेटवर्क की सेवाओं की लॉन्चिंग के साथ ही देश में एक और संचार क्रांति हो रही है। वाराणसी शहर भी इस शानदार पलों का साक्षी बना है। शनिवार की सुबह सीएम योगी का हेलिकॉप्टर सवा 9 बजे वाराणसी पहुंचे हैं। यहां से कार के जरिए वो सर्किट हाउस पहुंचे। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में 5जी सेवा की लॉन्चिंग प्रोग्राम रखा गया था। इंडियन मोबाइल कांग्रेस-2022 से वचुअली सीएम योगी भी जुड़े थे।

जियो की 5जी सर्विस की शुरुआत 4 शहरों से: रिलायंस ने बीते दिनों अपनी एजीएम



पीएम मोदी ने 5जी के यूज को देखा...

जियो ने 4 स्कूलों को जोड़ा: मुंबई के एक स्कूल के शिक्षक ने 3 अलग-अलग स्थानों के छात्रों को पढ़ाया। अहमदाबाद के रोपड़ा प्राइमरी स्कूल की एक स्टूडेंट से पीएम ने बात की।

में बताया था वो दिवाली तक 4 शहरों- दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई में 5जी सर्विस शुरू करेगी। वहीं मुकेश अंबानी ने आज इंडियन

अपने डेभों में यूपी के स्टूडेंट्स को शामिल किया। उन्हें वचुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी की मदद से सोलर सिस्टम के बारे में पढ़ाया गया। उनमें से एक छात्र ने होलोग्राम के जरिए मंच पर उपस्थित होकर अपने लॉगिन एक्सपीरिंस को पीएम के साथ शेयर किया। स्टूडेंट ने होलोग्राम के माध्यम से मंच पर उपस्थित होकर अपने लॉगिन एक्सपीरिंस को पीएम के साथ शेयर किया।

मोबाइल कांग्रेस में कहा कि खकड़ के जरिए दिसेंबर 2023 तक देश के हर कोने में 5जी सर्विस पहुंचेगी।

5जी से अवसरों के अनंत आकाश की शुरुआत: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि 5जी ने अवसरों के अनंत आकाश की शुरुआत है। प्रत्येक भारतीयों को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। आजादी के अमृत महोत्सव के इस ऐतिहासिक कालखंड में 1 अक्टूबर 2022 की तारीख इतिहास में दर्ज होगी। नया भारत, टेक्नोलॉजी का सिर्फ कंज्यूमर बनकर नहीं रहेगा, बल्कि टेक्नोलॉजी के विकास में एक्टिव भूमिका निभाएगा। भविष्य की वायरलेस टेक्नोलॉजी को डिजाइन करने में, उस से जुड़ी मैनुफैक्चरिंग में भारत की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाला हर व्यक्ति इस बात को समझ रहा है कि 5जी इंटरनेट का पूरा आर्टिफैक्ट बदल देगा। 2जी, 3जी, 4जी के समय भारत टेक्नोलॉजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा, लेकिन 5जी के साथ भारत ने नया इतिहास रच दिया। 2014 में जीरो मोबाइल फोन एक्सपोर्ट से आज हम हजारों करोड़ के मोबाइल एक्सपोर्ट करने वाले देश बन चुके हैं। इन सारे प्रयासों का प्रभाव डिविडेंस की कौमत्त पर पड़ा है। अब कम कीमत पर हमें ज्यादा फीचर्स भी मिलने लगे हैं। 5जी शुरू होने से क्या फायदे होंगे? पहला फायदा तो ये होगा कि यूजर तेज स्पीड इंटरनेट इस्तेमाल कर सकेंगे।

खड़गे का राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन करने के एक दिन बाद राज्यसभा में नेता विपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शनिवार को सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा सौंपा। दरअसल, कांग्रेस में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत है। इसी के तहत खड़गे ने यह इस्तीफा दिया है। अब माना जा रहा है कि पी चिदंबरम या दिग्विजय सिंह राज्यसभा में उनकी जगह ले सकते हैं। इधर, कांग्रेस सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी के चेयरमैन मधुसूदन मिश्रा ने बताया कि 30 सितंबर को कुल 20 फॉर्म जमा किए गए। स्कूटी कमेटी ने इनमें से 4 फॉर्म खारिज कर दिए हैं। केएन त्रिपाठी के फॉर्म को खारिज कर दिया गया क्योंकि यह निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर रहा था। अब कांग्रेस अध्यक्ष पद के दो मौजूदा दावेदारों में मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर शामिल हैं। वापसी के लिए 8



अक्टूबर तक का समय है, उसके बाद तस्वीर साफ होगी। कोई नाम वापस नहीं लेता है तो वोटिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। खड़गे को पिछले साल 2021 में कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद का कार्यकाल पूरा होने के बाद फरवरी में राज्यसभा का नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। दिग्विजय ने खड़गे की एंटी के बाद खुद को अध्यक्ष पद की रेस से बाहर कर लिया था। पार्टी और आलाकमान के

केरल के पांच संघ नेताओं को मिली वार्ड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली: प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की हिट लिस्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पांच नेताओं का नाम सामने आने पर केंद्र सरकार ने उन्हें वार्ड श्रेणी की सुरक्षा दी है। ये सभी संघ नेता केरल से हैं। खुफिया एजेंसियों को इस बात की सूचना मिली थी कि केरल के पांच संघ नेता पीएफआई के निशाने पर हैं। इस सूचना के आधार पर संभावित खतरे को भांपते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई है।

भारत में पाक सरकार का ट्विटर अकाउंट फिर बंद



नई दिल्ली: भारत में पाकिस्तान सरकार के ट्विटर अकाउंट को बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत सरकार को कानूनी मांग के बाद ट्विटर ने कार्रवाई की है। पिछले दिनों सरकार के ट्विटर अकाउंट से पीएफआई पर 5 साल के बैन के खिलाफ ट्वीट किए गए थे। इसी वजह से यह कार्रवाई हुई है। हालांकि, इस मामले में भारत सरकार और ट्विटर की ओर से अभी ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दी गई है। अब कोई भी भारत में पाकिस्तान सरकार के ट्विटर हैंडल को ओपन कर रहा है तो नोटिस लिखा मिल रहा है कि लीगल डिमांड पर इस अकाउंट को बंद किया गया है। इस कारण ट्विटर हैंडल पर पोस्ट की गई फोटो, वीडियो और टेक्स्ट अब भारत की जनता को नहीं दिख पा रहे हैं। हाल के महीनों में इस तरह की यह दूसरी घटना है। इस अकाउंट को पहले जुलाई में भी बंद किया गया था, लेकिन इसे फिर से बहाल कर दिया गया था। भारत के खिलाफ नफरत फैलाने वाले 100 से ज्यादा यूट्यूब चैनल ब्लॉक: जून में भारत में ट्विटर ने संयुक्त राष्ट्र, तुर्की, ईरान और मिश्र में पाकिस्तान दूतावासों के आधिकारिक अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। आरोप था कि इन ट्विटर हैंडल से भारत के खिलाफ झूठी खबरें फैलाई जा रही थीं इसके बाद अगस्त में भारत ने 8 यूट्यूब न्यूज चैनल को ब्लॉक किया था। इनमें से एक पाकिस्तान से संचालित किया जा रहा था। केंद्र सरकार ने अब तक भारत के खिलाफ नफरत फैलाने वाले 100 से ज्यादा यूट्यूब चैनल, 4 फेसबुक पेज, 5 ट्विटर अकाउंट और 3 इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है।

भागवत को राष्ट्रपिता कहने वाले इमाम को मिली धमकी

नई दिल्ली: संघ प्रमुख मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रपति बताने वाले ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख डॉ. उमर अहमद इलियासी को अब फोन पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इलियासी का कहना है उन्हें विदेश से भी धमकी भरे फोन आए हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें इंग्लैंड से फोन कर एक शास्त्र ने पहले तो नाराजगी जताई फिर अपशब्दों का प्रयोग किया और अंत में धमकी दी। चीफ इमाम ने कहा, मैंने दिल्ली पुलिस में इसकी शिकायत दी है, साथ ही

सरकार और एजेंसियों को भी इसकी जानकारी दी है। चीफ इमाम के पास पहले से ही सुरक्षा मौजूद है।

चीफ इमाम अपने शब्दों पर कायम: फोन में लगातार मिल रही धमकियों के बावजूद चीफ इमाम ने कहा, मैं अपने शब्दों पर कायम हूँ। मैंने मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रपति बोला था। मैं इन शब्दों को वापस नहीं लूंगा, परिणाम चाहे जो भी हो। पीएफआई पर लगे बैन को लेकर उन्होंने कहा सरकार के पास पर्याप्त सबूत थे इसलिए कार्रवाई हुई है।

बेंच ने पूछा- दो बच्चों का नियम लागू करने का आदेश कैसे दें, इसकी जरूरत क्यों

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग

नई दिल्ली: देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस यूवू ललित की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा कि दो बच्चों का नियम लागू करने का आदेश हम कैसे दे सकते हैं? कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि आप बताइए कि इस कानून की जरूरत क्यों है? उसके बाद ही हम नोटिस देंगे। अब इस मामले की 11 अक्टूबर को सुनवाई होगी।



दरअसल, भाजपा नेता एवं वकील अश्विनी उपाध्याय, स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती और देवकीनंदन ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग की है।

राज्यों को पक्षकार बनाने की गई थी मांग: सुनवाई शुरूआत में उपाध्याय ने याचिका के संबंध में दलील देते हुए कहा कि यह मामला जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित है।

केंद्र सरकार इसमें अपना जवाब भी दाखिल कर चुकी है। उपाध्याय ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण का मुद्दा संविधान की समवर्ती सूची में आता है इसलिए उन्होंने एक अर्जी दाखिल की है, जिसमें राज्यों को भी पक्षकार बनाने की मांग की गई है।

कोर्ट ने कहा- आदर्श कई हैं, लेकिन आदेश कोर्ट नहीं दे सकता: सीजेआई यूवू ललित और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने दलीलें सुनने के बाद कहा कि दो बच्चों की नीति लागू करने की मांग पर कोर्ट आदेश कैसे दे सकता है।

राजस्थान में चुनाव से पहले की रणनीति में वसुंधरा राजे अहम राजे को साधने भाजपा तलाश रही कर्नाटक फॉर्मूला

नई दिल्ली/जयपुर: भाजपा राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को साधने का तरीका खोज रही है। पार्टी का मानना है कि राज्य में पार्टी की एकजुटता को लेकर कार्यकर्ताओं में संशय और लोगों के बीच सवाल नहीं उठे। फिलहाल, पार्टी वसुंधरा को लेकर जिस कर्नाटक फॉर्मूले पर मंथन कर रही है। यदि वह सफल होता है तो राज्य में नेतृत्व के यक्ष प्रश्न का समाधान निकल जाएगा।



कर्नाटक मॉडल से आश्वस्त थी वसुंधरा: पिछले हफ्ते वसुंधरा की

महासचिव अरुण सिंह और अन्य नेताओं से बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में कर्नाटक मॉडल पर विस्तार से चर्चा हुई। वसुंधरा आश्वस्त नजर आईं। एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि राजे, प्रदेश-केंद्र का कोई भी नेता हो सबका लक्ष्य विधानसभा चुनाव में बड़े अंतर से जीत हासिल करना है। इसके लिए चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाए या नेता घोषित कर लड़ा जाए इसको लेकर अलग-अलग राय हो सकती है।

सकती है ये विकल्प: पार्टी वसुंधरा को प्रदेश अध्यक्ष बना कर चुनाव लड़े। उन्हें येदियुरप्पा की तरह पूर्व निर्धारित शर्तों के साथ सीएम प्रोजेक्ट कर दे। कैप्टन कमेटी का मुखिया बना कर पार्टी सामूहिक नेतृत्व में लड़े।

अरुण सिंह- सामूहिक चुनाव लड़ती है भाजपा: दूसरा सवाल है मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में ही चुनाव हो या नया अध्यक्ष हो इसको लेकर भी अलग-अलग राय हो सकती है। पार्टी के एक नेता कहते हैं।

हिमाचल: दिल्ली में 7 को कांग्रेस टिकटों पर मंथन

शिमला: हिमाचल में कांग्रेस की 68 में से 45 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम फाइनल हो चुके हैं। अब 23 सीटों के उम्मीदवारों के नामों पर 7 अक्टूबर को दिल्ली में मंथन होगा। इस दिन कांग्रेस ने दिल्ली में दूसरे दौर की स्त्रीनिर्णय कमेटी की बैठक बुलाई है। इसमें सभी सीटों पर टिकट की स्त्रीनिर्णय कमेटी की कोशिश की जाएगी। पहले स्त्रीनिर्णय कमेटी की बैठक 2 अक्टूबर को प्रस्तावित थी। बता दें कि बैठक में 23 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा और दो से तीन दावेदारों के नाम सेंटर इलेक्शन कमेटी को भेजे जाएंगे। टिकट पर अंतिम निर्णय सेंटर



इलेक्शन कमेटी लेगी। पहले दौर की बैठक में सीईसी ने 45 सीटों पर नाम फाइनल किए। इनमें से लगभग 39 सीटों पर सीईसी मोहर भी लगा चुका। शेष सीटों पर टिकट होल्ड रखे गए हैं। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में डेरा डाल दिया है और अपने-अपने ढंग से प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेताओं और सोनिया गांधी से मिलकर टिकट पक्का कराने की जुगाड़ में लगे हैं। बता दें कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस बार चुनाव चैकल, 4 फेसबुक पेज, 5 ट्विटर अकाउंट और 3 इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है।

खबर संक्षेप

निशुल्क नेत्र शिविर 2 अक्टूबर को चक भटाई लेबर कालोनी में

नैनी। अमृत महोत्सव कार्यक्रम निशुल्क नेत्र जॉब शिविर का आयोजन शार्प साईट आई हॉस्पिटल के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में आँखों के सैनियर सर्जन डॉक्टरों की टीम के द्वारा आधुनिक मशीनों द्वारा आँखों की सर्जरी जॉब और उपचार निशुल्क किया जाएगा। आप सब परिवार व ईस्ट मित्र के साथ आमंत्रित हैं। 2 अक्टूबर दिन रविवार समय-प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्थान-सामाजिक रामलीला पार्क के सामने लेबर कालोनी चक भटाई नैनी में। उक्त जानकारी ई. नीलम यादव भाजपा पार्षद से दी।

सम्मान समारोह आज

प्रयागराज। महात्मा गांधी और लाल बहादूर शास्त्री की जयंती पर जिला अपराध निरोधक कमेटी के तत्वाधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। संघिय संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अपराध निरोधक समिति लखनऊ के निर्देशानुसार प्रयागराज इकाई द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन कार्य किया इ.का., मुद्दीगंज में किया जा रहा है। अध्यक्षता आरएस वर्मा करेंगे। चीफ गेस्ट एडीजी प्रेमप्रकाश, अति विशिष्ट अतिथि आईजी डा. राकेश सिंह भाग लेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर एक बजे से होगा।

उपद्रवियों को कंट्रोल करने से पहले ही चौकी इंचार्ज को ही चैनल में किया बंद

पुलिस कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुंची कहीं थाने की फोर्स एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के रहीमापुर चौकी के कोतारी गांव में दुर्गा पूजा में हुए उपद्रव को सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज को ही बंधक बना लिया गया। चौकी इंचार्ज के बंधक बनाए जाने की सूचना मिलने पर झूंसी के साथ सरायदानाथ, थरवाई थाने की फोर्स मौके पर पहुंची तब बंधक कर रहे लोग भाग खड़े हुए पुलिस ने मौके से दो नाबालिक सहित चार लोगो को हिरासत में लेकर एक दर्जन से अधिक लोगो के खिलाफ पुलिस मुजहमत सहित कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। कोतारी गांव में शुक्रवार की रात दुर्गा पूजा पंडाल में माता की आरती के बाद देर रात गांव का ही एक युवक महिला का पोशाक पहन ड्रांस कर रहा था तभी वहां खड़े कुछ लड़के उसपर फफतिया करने लगे। जिसका आयोजक मंडल ने विरोध किया तो मनबढ़ युवक पथराव करने लगे इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया दोनों तरफ से जमकर ईट पत्थर चले और भगदड़ मच गई। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना पर मौके पर पहुंची 112 पुलिस के साथ रहीमापुर चौकी इंचार्ज जितेंद्र राजपूत भी एक सिपाही के साथ



मौके पर पहुंच गए। चौकी इंचार्ज जितेंद्र राजपूत पृथलाइ कर रहे थे तभी कुछ लोगों ने उन्हें धकेलते हुए एक चैनल के अंदर बंद कर दिया मामले की सूचना झूंसी इंस्पेक्टर को दी गई तो मौके पर पहुंची 112 पुलिस के साथ सरायदानाथ, थरवाई थाने की फोर्स को भी बुला लिया गया। भारी संख्या में पहुंचे पुलिस बल को देख बवाल कर रहे लोग भागने लगे

इस दौरान पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर चौकी इंचार्ज जितेंद्र राजपूत की तहरीर पर संजय, सुनीता, राम भूषण, मोहित, दिव्यांशु, प्रियंका, विनय, बिट्टी, साधु, सोन्या, अनिल, प्रतिभा, सुरेश मिश्र सहित आधा दर्जन अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। चर्चा है कि पकड़े गए कुछ युवकों का पुलिस ने शांति भंग में भी चालान किया है।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर को लगी गोली, घायल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर के इरादतगंज हवाई पट्टी पर शनिवार की भोर पुलिस और एक हिस्ट्रीशीटर के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से चली फायरिंग में जहां पुलिस टीम बाल बाल बच गई, वहीं पुलिस टीम की ओर से चली गोली बंदमाश के पैर में लग गई। जिससे वह घायल होकर गिर गया। पुलिस ने मौके से एक बाइक, एक तमचा 315 बोर व कई जीवित कारतूस के साथ मादक पदार्थ बरामद करते हुए बंदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घूरपुर थाना प्रभारी अश्वनी कुमार व क्राइम की विशेष टीम शनिवार की भोर घूरपुर के इरादतगंज तिराहे के पास सांदिधियों की जांच कर रही थी। इसी बीच पुलिस टीम को एक खास मुखबिार से सूचना मिली कि शहर की ओर से एक बंदमाश बाइक से घूरपुर की ओर आ रहा है। पुलिस टीम ने बंदमाश के आने की सूचना पर पुलिस टीम जांच पड़ताल करने लगी। इसी बीच बाइक आती दिखी पुलिस ने बाइक को रुकने का इशारा किया लेकिन बाइक सवार पुलिस को गन्वा देकर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो बाइक सवार बंदमाश पुलिस टीम पर तमचे से फायरिंग करने लगा। फायरिंग के बाद पुलिस टीम जवाबी फायरिंग शुरू



पुलिस की गोली से घायल हिस्ट्रीशीटर

की तो एक गोली बाइक से भाग रहे बंदमाश के पैर में लग गई, जिससे वह बाइक समेत गिर गया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे घेरकर दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में पुलिस की गोली से घायल बंदमाश ने अपना नाम पप्पू सोनकर निवासी जार्जटाउन बताया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उसकी हिस्ट्रीशीट पता की तो पता चला कि पप्पू सोनकर ड्रग माफिया है, और जार्जटाउन थाने का हिस्ट्रीशीटर भी। इन दिनों वह यमुनापार क्षेत्र में मादक पदार्थों की स्पलाई किया करता था। साथ उसके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

प्राकृतिक वातावरण एवं शुद्ध वायु के लिए वृक्षारोपण जरूरी

सहस्रों। सेवा सप्ताह पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को केवला प्रसाद शुक्ल जनता महाविद्यालय देवनहरी में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष अश्वनी कुमार द्विवेदी के द्वारा 5 फलदार वृक्ष लगाए गए। इसमें आम, अमरुद, आंवला एवं जामुन के वृक्ष लगाए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अश्वनी कुमार द्विवेदी ने कहा कि शुद्ध प्राण वायु एवं प्राकृतिक वातावरण को बचाने के लिए एक वृक्ष पर केवल पांच वृक्ष लगाए और उसे सुरक्षित रखें अधिक वृक्ष लगाकर उनकी सेवा नहीं हो पाती इसलिए पांच वृक्ष ही लगाए और उन्हें सुरक्षित रखने विशेष ध्यान दें। इसी प्रकार ग्रामस्था भाथानपुर, सेमरी, चिरौड़ा, सराय हुरैना, बगई कला, बगई खुर्द एवं चंदाई में 5 फलदार वृक्ष लगाए गए। इस मौके पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष आरती अग्रवाल, अनिल कुमार सरोज, पवन कुमार शुक्ला, भूपेंद्र मिश्रा, पिंठू अग्रवाल, शकुंतला शुक्ला, संतोष सिंह, सूर्यमणि पांडे, रमेश पटेल, प्रसिद्ध नारायण पांडे, लक्ष्मीकांत पांडे, दीनानाथ पटेल, शुभम शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, निवेश पाल, बृथ अध्यक्ष छोटे लाल पाल एवं सदीप पाल सहित आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार भाजपा मण्डल सहस्रों के ग्राम सभा कसरुआ कला में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष भूमि विकास बैंक फूलपुर एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष गंगापार वीरेंद्र बहादुर सिंह तथा मण्डल अध्यक्ष अनिल सरोज ने आम और नारियल जय श्री फलदार वृक्ष लगाए। प्रयागराज शहर पश्चिमी के विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह के जन्मदिन पर केक काटकर शुभ कामना के साथ बधाई दिया गया। इस अवसर पर संतोष सिंह, महेश सिंह, राजेश चंद्र, संजय सिंह, रंजना परिहार, लवकुश बिन्द, सतीश कुमार, जीतेन्द्र पटेल, राजेश सरोज, अमन सिंह राजपूत, अंकित सरोज, प्रमोद शुक्ला, जय सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़े के तहत किया गया वृक्षारोपण

घूरपुर। घूरपुर क्षेत्र के भीटा गांव स्थित अमृत सरोवर पर शनिवार के दिन भाजपा किसान मोर्चा मंडल जनसभा के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पखवाड़े के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत मुख्य अतिथि जिलापंचायत सदस्य सुरेंद्र कुमार पटेल ने वृक्षारोपण करते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन का सबसे नजदीकी मित्र हैं। वृक्ष से जहां पर्यावरण का संरक्षण होता है वहीं वृक्षों के फल व उनकी छाया से मानव जीवन सहित पशु पक्षियों को भी लाभ प्राप्त होता है। कार्यक्रम के संयोजक जसरा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अभिषेक शुक्ल ने कार्यक्रम में आये लोगों का माला पहना कर स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान भीटा विपिन कुमार,भाजपा मंडल महामंत्री भूपेंद्र पाठक,सुशांशु मिश्र,छविनाथ द्विवेदी,रामू द्विवेदी,विनीत साहू,धर्मद द्विवेदी,पवन द्विवेदी,दिनेश निषाद,दिनेश मिश्र,राजन निषाद,शिवेंद्र शुक्ल,दीपू मिश्र,राजन मिश्र,गीता यादव आदि लोग मौजूद रहे।

आस्था अध्ययन केन्द्र पर प्रतिभा सम्मान समारोह 5 को

जसरा। आराध्या फाउंडेशन के पदाधिकारियों की कार्यवाही बैठक का आयोजन आज क्षेत्र के गौहानिया में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर फाउंडेशन की कोषाध्यक्ष डा. उषा पटेल विभिन्न आयोजनों एवम सामाजिक कार्यक्रमों जानकारी प्रदान करते हुए बोली कि आराध्या फाउंडेशन सम्पूर्ण अक्टूबर माह में बेटियों की शिक्षा एवम स्वास्थ्य की दशा अथवा दिशा में सकारात्मक सुधार करने के लिए विभिन्न शैक्षिक संस्थानों, कोशिंग, कालेजों में पाठय सामग्री के साथ सेनेटरी पैड एवम नैपकीन का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान किया कि इसकी शुर्कुवात वह 05अक्टूबर को गौहानिया क्षेत्र में संचालित आस्था अध्ययन केन्द्र में दिवाली वीरिंग, मेधा सम्मान के चेक वितरण के साथ प्रारम्भ करेंगे। इस अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्ष डा. अस्मिता सिंह के पुत्री के निधन के कारण दरहारा के पूर्व तक सभी आयोजन स्थगित रहे। कार्यक्रम में डा. शाहित, डा. माधुरी, डा. शैल कुमारी आदि पदाधिकारी मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन डा शैल कुमारी एवम कार्योोजना प्रस्ताव शशिेश्वर ने किया।

मेजा ऊर्जा निगम :

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का हुआ समापन समारोह

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम में शनिवार को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित केदार रंजन पांडु बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। तथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पांडु ने राजभाषा हिंदी के महत्व के बारे में सबको अवगत कराया एवं सभी कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। लगभग एकमात्र तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के बीच निबंध लेखन, कविता पाठ, टर्न कोर्ट प्रतियोगिता आदि जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में मेजा सुमन (मेजा ऊर्जा निगम की वार्षिक पत्रिका) का

लगभग एक माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों के बीच निबंध-लेखन, कविता-पाठ, टर्न कोर्ट प्रतियोगिता आदि प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन



उनमोचन किया गया कार्यक्रम में पीयूष कुमार, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), अजित बयक, महाप्रबंधक (प्रचालन), गुरु प्रसाद सिंह, महाप्रबंधक (मैटेनेंस), प्रदीप कुमार सावत, महाप्रबंधक (सविदा और

सामग्री), संजय शुक्ला, महाप्रबंधक (मैकेनिकल इरेक्शन), अखिल के पी पट्टनायक, अपर महा प्रबंधक (मानव संसाधन) और मेजा ऊर्जा निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रथ पर सवार सिया ब्याहने चले प्रभु श्रीराम



अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा में प्रख्यात श्रीराम बारात में शामिल होने के लिए शुक्रवार को गर्म मौसम भी भक्तों के कदम ना रोक सका मऊआइमा कस्बे के आलावा मऊदोस्तपुर, अलीपुर, विश्वम्भरपुर, नौगीरा, परजैपुर, सुल्तानपुर खारा, बोड़ीपुर, कटारा दयाराम, बागी समेत दर्जनों गांवों से राम बारात देखने के लिए भक्त बड़ी संख्या में पहुंचे मऊआइमा और इसके आसपास अयोध्या सा नगरा दिखाई दिया राम संकीर्तन और रघुनन्दन के भजनों पर बारात के पूरे रास्ते बाराती नाचते रहे शाम ढलते ही मऊआइमा कस्बा और राम बारात का मार्ग रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा बैडबगजे बजने लगे। मऊआइमा की ऐतिहासिक रामलीला में गुरुवार रात परशुराम लक्ष्मण संवाद एवं धनुष लीला का मंचन किया गया इसके पश्चात शुक्रवार रात मऊआइमा कस्बा के सादर बाजार से भवान राम की भव्य बारात निकाली गई बारात नाटी-इमली,चुनौटा कुंआ,मोहल्ला कोट,गंजिया बाजार,प्रक्का तालाब अमृत सरोवर होते हुए रामबाग में समाप्त हुई रामलीला कमेटी के संरक्षक भाजपा नेता निमिष खत्री,प्रधान संघ अध्यक्ष रामतीर्थ यादव,अध्यक्ष सचिन साहू,उपाध्यक्ष प्रवीण केसरवानी,डॉक्टर ओमप्रकाश मौर्य,समेत कमेटी के पदाधिकारियों एवं गणमान्य जनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर बारात का भव्य स्वागत कर पुष्पवर्षा की गई तथा आरती की गई बारात जिस गली मोहल्ले से होकर गुजरी तो प्रभु श्रीराम व उनके अनुजों की एक झलक पाने को जन सैलाब उमड़ पड़ो भक्तों ने बारात पर पुष्पवर्षा कर प्रभु को दर्शन किये। बारात के रामबाग पहुंचने के बाद जैसे ही राम विवाह की लीला के दौरान प्रभु श्रीराम ने माता सीता के गले में बरमाला डाली,दर्शकों से खचाखच भरे रामलीला मैदान में जय श्री राम का गगनभेदी उद्घोष प्रारम्भ हो गया और सभी ने माता सीता एवं प्रभु श्रीराम पर पुष्पवर्षा की। इस अवसर पर मुख्य रूप से कमेटी के महामंत्री रमेश चन्द्र सोनी, विदेहरवी प्रसाद केसरवानी, संजय साहू, विजय कुमार साहू, राजेश गुप्ता, डॉ नन्दलाल, डॉ बिंदा प्रसाद, नन्हेलाल मौर्य, ओमप्रकाश सोनी, राजेश सोनी, आशीष सोनी, रोहित मौर्य, शनि खत्री, पवन केसरवानी, अबुल साहू, मनीष साहू, दीपचंद्र केसरवानी, सुरेंद्र केसरवानी, राजेश कुशवाहा, सोनी मौर्य समेत कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। इस दौरान पुलिस द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह,निरीक्षक रमेश चन्द्र,कस्बा चौकी इंचार्ज वीरेंद्र कुमार सिंह,उप निरीक्षक विपिन वर्मा,अनूप वर्मा,सत्येंद्र सिंह,कांस्टेबल जितेंद्र कुमार,अर्जुन सिंह समेत भारी पुलिस बल उपस्थित रहा। डिजिटल दुनिया में छई मऊआइमा की रामलीला एवं राम बारात डिजिटल दुनिया में मऊआइमा की रामलीला और राम बारात जा गई है कमेटी के संरक्षक और भाजपा आईटी सेल के जिला प्रभारी निमिष खत्री ने बताया कि दुनिया भर में पचास हजार से ज्यादा भक्तों ने सोशल मीडिया पर राम बारात और रामलीला का सीधा प्रसारण देखा। अगले पांच दिन में दर्शकों की संख्या लगभग 2 लाख पहुंचने का अनुमान है।



राम बनगमन के वियोग में दशरथ ने त्यागे प्राण

नैनी। सार्वजनिक रामलीला के छठवें दिन दशरथ-मरण, केकेई-भरत संवाद और राम-भरत मिलन की लीला का मार्मिक मंचन किया गया महाराज दशरथ की सांसे सिर्फ राम-दशरथ के लिए चल रही हैं जब मंत्री सुमंज उन्हें यह बताते हैं कि राम वन से नहीं लौटें तो महाराज दशरथ बिन पानी की मछली के समान तड़पने लगते हैं और अंत में, हा राम! हा राम! कहते हुए प्राण त्याग देते हैं राम राम कहि राम कहि राम राम कहि राम। तनु परिहरि रघुवर बिरहै राउ मयउ सुराभ्य अयोध्या में हाहाकार मच जातौ है रागिया विलाप करने लगती हैं गुरु वशिष्ठ भाव विद्वल होकर महाराज दशरथ को प्रणाम करते हैं और कहते हैं, राजन! तुमने आजीवन अपने धर्म का पालन किया आज तुम्हारा यह गुरु तुम्हें प्रणाम करता है, तुम धन्य हो अगले हर्य में भरत और शत्रुघ्न ननिहाल से पर लौट कर आते हैं और कहते हैं जो भरत को परिस्थितियों का पता चलता है तो वह महाराजी केकेई को मां कहना छोड़ देते हैं वह कहते हैं कि अच्छा होता तुम बांझ होतो भरत जो अत्यंत दुखी होकर कहते हैं कि वह सबसे बड़े पापी हैं मोहि समान को पाप निवासू जेहि लगि सिय राम बनवास लीला के अगले चरण में भरत भाई शत्रुघ्न, गुरु वशिष्ठ, मंत्री सुमंज, माताओं एवं अयोध्या वासियों के साथ राम को मनाने चित्रकूट जाते हैं चित्रकूट में चारों भाइयों का मिलन होता है भरत सब प्रकार से राम को अयोध्या वापस लाने का प्रयास करते हैं किंतु राम उन्हें समझाते हैं कि ऐसा करने से पिता की कीर्ति नष्ट होगी अंत में भरत राम से उनकी खड़ाऊं मांग लेते हैं और कहते हैं कि जब तक आप नहीं लौटेंगे आपकी खड़ाऊं ही अयोध्या के राज सिंहासन पर विराजेगी मैं आपके प्रतिनिधि के रूप में राज्य का संचालन करूंगा और यदि आप वनवास की अहंभी पूरी होने के पश्चात अयोध्या नहीं लौटें तो मैं अपने आप को समाप्त कर दूंगा भरत के वचनों को सुनकर दर्शक गण भरत लाल की जय के जयकारे लगाने लगते हैं आज भाई संपित बनते हैं, राम के भक्तों ने विपत्ति तोली किन्तु सुंदर उदाहरण है वह पारिवारिक सामंजस्य का सागर युगा द्वारा किया गया प्रकाश संयोजन अत्यंत सरहनीय रहा। संरक्षक रमेश नेगी, जियाउद्दीन अहमद, अजय भारतीय, मोहम्मद तारिक ने रामलीला आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य संरक्षक विनीत पांडे, अध्यक्ष राकेश जायसवाल, महामंत्री नयन कुशवाहा, कोषाध्यक्ष जयशिव केशरवानी, मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला, आकांक्षा दिलीप, प्रमोद सिंह, योगेश सिंह, शालू चहूडा, भूमि जायसवाल, रवींद्र त्रिपाठी, राजीव वर्मा, सौरभ पाण्डेय, हिमांशु पांडेय, सुरेश पटेल आदि उपस्थित रहे।

पीठाधीश्वर छवनी ने किया पूजा पंडाल में मां की आरती

सहस्रों। शारदीय नवरात्रि के इस पावन दिनों में भक्ति भावना से ओतप्रोत सनातनी धर्मावलंबी तपस्वी छवनी पीठाधीश्वर परमहंस आचार्य जी महाराज ने अयोध्या से चलकर क्षेत्र के ग्राम सभा देवरिया के पूजा पंडाल में नव दुर्गा मां काली मित्र मंडल मूर्ति पूजा के आयोजन में महा आरती में सम्मिलित होकर भगवती की भव्य आरती उत्तारी तत्पश्चात् परमहंस महाराज ने अपना आशीर्वाद देते हुए उपस्थित सभी ग्राम वासियों की ओर से हिन्दू जनमानस के कल्याण की चर्चा किया एवं उन्होंने अपने उद्घोषण में कहा 2025 तक भारत हिन्दू राष्ट्र होगा यह मेरी भविष्यवाणी है। मौके पर प्रमुख रूप से विष्णू दूबे स्वामी जी, ग्राम प्रधान देवराज, अमृत लाल यादव सहित भारी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे।



मोहे एक जरूरी काम कान्हा कहां मिलेंगे, होय मैंने घूंयो देश तमाम कान्हा कहां मिलेंगे

जंघई। नवरात्रि में पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर है एवं देवी गीत, भजन, कीर्तन आरती से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है।जय मां चौरा देवी धाम समिति चनेशू शुक्लाना में सुबह-शाम पूजन, अर्चन, आरती प्रस्ताद के साथ बच्चों द्वारा झांकी प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें छोटे बच्चों ने एक से बढ़कर एक परतुति देकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया इस अवसर पर कमला शंकर शुक्ला, केशव प्रसाद शुक्ला, नारायण दास शुक्ला, हीरामणि शुक्ला, कुष्मण्डी शुक्ला, बाबुल नाथ शुक्ला, ललित मोहन शुक्ला, महावीर मिश्रा, राजेंद्र आपटेकर, गिरिशी शुक्ला, हरीशचंद्र शुक्ला, प्रदुम शुक्ला, अमरजीत प्रजापति, पंडित प्रजापति, अंकेश प्रजापति, शिवा प्रजापति, वेद शुक्ला, अंकित प्रजापति, ऋषि शुक्ला, आशुतोष पांडेय, रिशु शुक्ला, गोपाल शुक्ला, आयुष शुक्ला, स्वयं प्रजापति, आदर्श शुक्ला सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।



मारिया कवने करनवा भुलाईलू ना हो, सुनली की यही रह गइलू, मोरे घरे अयलू ना...

जंघई। नवरात्रि का छठों दिन मां दुर्गा के स्वरूप मां कात्यायनी को समर्पित होता है। नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। मां विध्वंसिनी भक्त मंडल साईबाटिका चनेशू शरीफाबाद पंडाल में भक्तों द्वारा मां कात्यायनी के स्वरूप की पूजा अर्चना आरती की गई स्वरूप की बात करें तो माता रानी का स्वरूप अत्यंत भव्य व चमकीला है मां की चार भुजाएँ हैं और मां का वाहन सिंह हैं।आचार्य धर्मद मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से मां की पूजा अर्चना आरती कराया गई जिसमें रोहित मिश्रा संयुक्त प्रबंधक बैंक आफ बड़ौदा एवं राहुल कुमार सिंह हेड कैशियर बैंक आफ बड़ौदा जंघई पूजन अर्चना आरती हेतु मां के पंडाल में पहुंचे इस अवसर पर राजदेव दुबे, पंडेवरनाथ दुबे, समरनाथ दुबे, अमरनाथ दुबे, केशवा नाथ दुबे, शंभुनाथ दुबे, दूधनाथ दुबे, बड़ेलाल दुबे, छोटेलाल दुबे, रामचन्द्र दुबे, नन्हे लाल दुबे, श्रीकांत दुबे, कृष्ण धर दुबे, हौसिला दुबे, नन्दिताल दुबे, दादे दुबे, संजय दुबे, राजेश दुबे, माता सहाय दुबे, अशोक दुबे, अजय दुबे, महेंद्र दुबे, जज्जे दुबे, गिरिजा शंकर दुबे, अजय दुबे, जितेन्द्र दुबे, सुरीशी दुबे, पंकज दुबे सहित सैकड़ों भक्तगण माताएं, बहनें, बेटियां पूजा अर्चना आरती में शामिल रही।



ओम शिवम पाण्डेय एवं सोनी द्विवेदी का भक्ति गीत हुआ रिलीज युवाओं में उत्साह

करनवा। क्षेत्र के भुण्डा गांव निवासी प्रसिद्ध गायक ओम शिवम पांडेय एवं एवं हडिया क्षेत्र से ग्राम सेवा निवासी प्रसिद्ध गायिका सोनी द्विवेदी को 2022 का धमाकेदार देवी गीत माई के गुणगान जिसको रिकॉर्ड किया गया। डायरेक्टर कुमार अजय के सानिध्य में गोल्डन म्यूजिक स्टूडियो पुरामुफती प्रयागराज में जिसमें तै संगीत प्रदान किया। प्रसिद्ध रचनाकार कुमार अनुपम ने और स्वर बद्ध किया। प्रसिद्ध गायक ओम शिवम पांडेय एवं गायिका सोनी द्विवेदी ने क्षेत्र के सभी दुर्गा पंडालों में गीत बजने से सभी युवाओं में अत्यंत ही उत्साह का माहौल है। गायक ओम शिवम पांडेय ने बताया कि इस गीत को श्री राधा भक्ति चैनल पर अपलोड किया गया है।



प्रतापगढ़ संदेश

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर छह मामलों का मौके पर हुआ निस्तारण, डीएम-एसपी ने सुनी समस्याएं



समाधान दिवस पर शिकायतें सुनते डीएम-एसपी।

अखंड भारत संदेश
प्रतापगढ़। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल

की अध्यक्षता में तहसील सदर में आयोजित किया गया। सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 127 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 06 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर

दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 127 शिकायतों में से 51 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 40, विकास विभाग से 01, चकबन्दी विभाग से 06, विद्युत विभाग से 01 एवं 28 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुईं। सम्पूर्ण

भयहरणनाथ प्रबंध समिति के सदस्यों ने किया सामूहिक सत्याग्रह

प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम के धार्मिक व पर्यटन विकास तथा धाम से जुड़ी सामलती सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के प्रबंध समिति के सदस्यों ने सदर तहसील के समाधान दिवस में सामूहिक सत्याग्रह किया। इस मौके पर उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने मांग पत्र का अवलोकन कर उप जिलाधिकारी सदर को आवश्यक निर्देश दिये। धाम के महासचिव व बकुलाही नदी पुनरोधार अभियान के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के संयोजन में धाम के पर्यटन व समग्र विकास के साथ ही व्यापक जनहित में बकुलाही नदी की जन सहयोग तथा लोक भागीदारी व सरकार के साझा सहयोग से प्राचीन पुनरोधारित 21.4 धारा को सदावीर्य करने हेतु वर्षों से प्रस्तावित डायवर्जन चेकडैम तथा पुल पुलियों के बनाने हेतु सदर तहसील के समाधान दिवस में जिला प्रशासन व सरकार से मांग की गई।

समाधान दिवस में जिलाधिकारी कार्यालय में समय से बैठकर जन समस्याओं को सुने और समय सीमा के अन्तर्गत उनका निराकरण कागज के साथ-साथ धरातल पर भी सुनिश्चित करें।

बीमा अभिकर्ता ने एलआईसी गेट पर दिया धरना

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कुंडा के सभी अभिकर्ताओं ने आईआरडीए कानून के विरोध में एलआईसी के गेट पर धरना देते हुए सभी कामकाज बंद कर हड़ताल पर रहे अभिकर्ता संघ की अगुवाई में समस्त अभिकर्ताओं ने आईआरडीए द्वारा अभी कताओं के विरुद्ध बनाए गए कानून के विरोध में जमकर नारेबाजी की जिससे एलआईसी शाखा कुंडा का सारा कामकाज प्रभावित रहा। हड़ताल में शामिल प्रमुख लोगों में शिव प्रसाद मिश्र प्रदीप कुमार शुक्ला मुन्ना सिंह राजकुमार यादव देवीदीन यादव राकेश कुमार शुक्ला प्रदीप शुक्ला संजीव द्विवेदी विजय किशोर अग्रहरी चंदे लाल पटेल बीवी तिवारी राधेश्याम हीरालाल गुप्ता कन्हैया लाल यादव विजय प्रकाश मौर्य बृजेश कुमार मोहम्मद अस्लम नीरज श्रीवास्तव सहित सैकड़ों अभिकर्ताओं ने मंडल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर आईआरडीए के द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं के विरुद्ध बनाए गए नए कानून को समाप्त करने की मांग की गई तथा



एलआईसी गेट पर धरना देते बीमा अभिकर्ता।

रोष व्यक्त करते हुए यदि नहीं लिया गया तो अभिकर्ताओं आईआरडीए द्वारा कानून वापस कि यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

माता मैया धाम में श्रद्धालुओं ने किया पूजन अर्चन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। शारदीय नवरात्रि के पांचवे दिन पाहकगंज बाजार परियावां स्थित माता मैया धाम परिसर में श्रद्धालुओं ने माता मईया देवी व मां दुर्गा को छठे स्वरूप को मां कात्यायनी के रूप में पूजन अर्चन किया साथ में माता मैया धाम परिसर के दुर्गा पण्डाल में विराजमान गणेश, लक्ष्मी, सरस्वती व कार्तिक की भी श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया। कहते हैं कि महर्ष कात्यायन के यहाँ पुत्री रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका कात्यायनी नाम प्रसिद्ध हुआ जो ब्रजमण्डल की अष्टधारी देवी के रूप प्रतिष्ठित है जिनके चार भुजाएँ हैं जिनकी सवारी सिंह है जिनकी छठे दिन पूजा की जाती है। रात में श्रद्धालुओं के लिए श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है जिसमें कथा वाचक अर्चना साध्वी जी अपने मुखार से भागवत कथा का रात 8 बजे से 11 बजे तक प्रवचन किया।

रेलवे स्टेशन पर सफाई कर्मियों की हड़ताल, फैली गंदगी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। दो महीने से पगार न मिलने से नाराज रेलवे स्टेशन के सफाई कर्मियों ने शनिवार को हड़ताल कर दी। जिससे जगह जगह गंदगी और बदबू फैल गई। कर्मचारियों का आरोप है कि सीनियर डीसीएम ने वेतन बिल रोक रखा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। त्योहार अलग से है। हड़ताल से दो अक्टूबर का स्वच्छता अभियान फेल होता देख रेल प्रशासन के हाथ पर फूल गए। उच्च अधिकारियों के आशवासन पर एसएस द्वारा तीन दिन के अंदर वेतन दिलाने के वायदा के बाद कर्मचारी काम पर लौटने को राजी हुए। सीनियर डीसीएम ने कहना है कि देरी उनकी तरफ से नहीं हुई है।

बिजली की शार्ट सर्किट से गृहस्थी जलकर हुई राख

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के जुगई का पुरवा कडरौ गांव में बीती रात को रामेश्वर पुत्र मक्कु पटेल के घर में बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग जाने से गृहस्थी जलकर राख हो गई। आग लगने के दौरान गांव में अफरा तफरी मच गई। बड़ी मयकत के बाद ग्रामीणों ने जनमयऊ फ़ैडर से बिजली बन्द करकर आग पर काबू पाया। आगजनी से पीड़ित परिवार खुले आसमान में रहने को विवश है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रभाकर पटेल ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने का आशवासन दिया।

छत पर सो रही किशोरी के साथ दुराचार का प्रयास

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद के संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोडरी गांव में रिश्तेदारी में आये युवक ने बीती रात को छत पर सो रही सत्रह वर्षीय किशोरी के साथ दुराचार करने का प्रयास किया किशोरी के शोर मचाने पर परिजन लोग दौड़ पड़े और युवक को पकड़ लिया जिस पर पकड़े गए युवक के परिजनों को जब जानकारी हुई तो मौके पर पहुंचे और किशोरी के परिजनों से मारपीट किया और युवक को जबरन छुड़ा कर ले गए। शनिवार को किशोरी के परिजनों ने संग्रामगढ़ पुलिस को युवक के साथ मारपीट करने वाले रिश्तेदारों के खिलाफ तहरीर दिया। पुलिस जांच में जुटी हुई है। आरोपियों के परिजनों में हड़कम्प मचा हुआ है।

श्री राम माता सीता के विवाह देखने के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

एसपी की धर्मपत्नी सहित सांसद, विधायक ने उतारी राम की आरती

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला समिति द्वारा निकाली गई भव्य शोभा यात्रा बारात रैर रात को घंटाघर विवाह स्थल पहुंची। वहां पर 40 फीट ऊंचे बने हाइड्रोलिक मंच की शोभा देखते ही बन रही थी और अयोध्या नगरी ठठेरी बाजार में बनी थी और जनकपुरी मकन्दूरांग में बनाया गया था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद संगम लाल गुप्ता, जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी, सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह, पुलिस अधीक्षक की धर्मपत्नी, रतन चंद्र जैन आदि रहे। भगवान राम जी की बारात ठठेरी बाजार अयोध्या से विवाह स्थल पहुंची। जनकपुरी मकन्दूरांग से महिलाओं की टीम माता जानकी को लेकर विवाह स्थल पर पहुंची। माता सीता की ओर से जनक बने रवि केसरवानी ने श्रीराम



महिलाओं को सम्मानित करती एसपी की धर्मपत्नी।

की ओर के पक्ष रामलीला समिति के पदाधिकारी संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, संयोजक दिनेश सिंह दिन्नु, मंत्री विपिन गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रदीप केसरवानी का मोती की माला पहनाकर नेग देकर राजा जनक की ओर से रसमआदायगी की। फिर

भगवान ने 40 फिट पर बने मंच से धनुष तोड़ा और माता सीता ने भगवान के गले में जयमाल डालते ही हजारों भक्तों ने जय श्रीराम के नारे से पूरा विवाह स्थल चैक गुज उठा। अतिथियों ने भगवान श्री राम माता सीता की आरती उतारी माननीय सांसद संगम लाल गुप्ता,

जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी, विधायक सदर राजेंद्र कुमार मौर्य, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल की धर्मपत्नी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह, पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह, रतन चंद्र जैन समिति के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, संयोजक

दिनेश सिंह दिन्नु, मंत्री विपिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता, व्यापार मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी, परमानन्द मिश्रा, ए0एस0पी0, सी0ओ0 सिटी आदि ने भगवान की आरती उतारी। सभी राम भक्तों का, जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन का, समिति के पदाधिकारियों का संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य ने आभार जताया। संयोजक संचालन दिनेश सिंह दिन्नु व विपिन गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महिला टीम का सम्मान पुलिस अधीक्षक की धर्म पत्नी व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने किया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में अर्चना खंडेलवाल, वीना केसरवानी, सुधा अग्रवाल, रेखा उमरवैश्य, सुमन केसरवानी, विनीता केसरवानी, मेधा खंडेलवाल, ज्योति खंडेलवाल, रोशनी सिंह, लक्ष्मी सिंह, अनामिका पांडे, जया खंडेलवाल, शकुन्तला खंडेलवाल, प्रीति केसरवानी रही।

सपा की बैठक में नगर निकाय चुनाव पर हुई चर्चा

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय मीराभवन पर मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य एजेंडा समाजवादी सदस्यता अभियान की गतिशील बनाने तथा आगामी नगर निकाय चुनाव पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता नि.जिलाउपाध्यक्ष जगदीश मौर्या व संचालन नि.जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदस्यता अभियान लगातार चलाया जा रहा है जिसमें समाजवादी विचारधारा के लोग सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं सदस्यता अभियान की गतिशील बनाने के लिए बूथ स्तर पर सभी नेतागण व कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों को समाजवादी पार्टी सरकार में किये गये जनकल्याणकारी योजनाओं को बताकर सदस्यता अभियान को गति देने का काम करें। इस अवसर पर आशुतोष पाण्डेय, नरेंद्र पाल, गुलाफाम खां, डॉ.श्रीरंजनाशुक्ला यादव, वासिक खान, समीम खान, साहिल अली, रामचन्द्र यादव, मनीष पाल सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

वृक्ष धरा के भूषण हैं, करते दूर प्रदूषण हैं

नपाध्यक्षा, पूर्व विधायक तथा भाजपा जिलाध्यक्ष ने पार्क में किया वृक्षारोपण



पार्क में वृक्षारोपण करती नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह।

पूर्व मंत्री मोती सिंह ने किया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा पखवारा के रूप में मना रहे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करने के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह अमृत सरोवर के किनारे वृक्षारोपण किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। अमृत सरोवर सर्वजितपुर में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह के द्वारा मां दुर्गा के प्राचीन मंदिर में दर्शन पूजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में पट्टी ब्लाक प्रमुख राकेश कुमार सिंह पप्पू सिंह, ग्राम प्रधान रमेश बहादुर सिंह, ब्लाक प्रमुख आसपुर देवसरा कमलकांत यादव भाजपा के पूर्व जिला मंत्री डॉक्टर के एल विश्वकर्मा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष रामदुलार सिंह, रामकोला मंडल अध्यक्ष राम आश्रय शुक्ला, रामकोला मंडल उपाध्यक्ष अरविंद तिवारी, पट्टी मंडल अध्यक्ष शिव कुमार वर्मा, नगर पंचायत पट्टी के चेयरमैन श्री खेदन लाल जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष जुगौ लाल जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष रामचरित्र वर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज सिंह राजू, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव, भाजपा पार्टी मंडल के आईटी प्रमुख आलोक कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

समाज प्रदूषण मुक्त होता है। इस अवसर पर सफाई निरीक्षक संतोष

कुमार सिंह के अलावा मिथिलेश के अलावा क्षेत्रीय जनता भी सिंह तथा क्षेत्रीय सभासद धीरज मौजूद रही।

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर सम्मानित हुए पेंशनर्स

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राज्य कर्मचारी/ शिक्षक एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यकारिणी के आहवान पर शनिवार को वरिष्ठ नागरिक दिवस का आयोजन कोषागार कार्यालय के पेंशनर हाल में कि 21 गया, जिसमें समस्त सेवा निवृत्त कर्मचारी शिक्षक एवं पेंशनर्स तथा वरिष्ठ नागरिक बन्धुओं मौजूद रहे। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। उपयोगिता पर विचार व्यक्त किया गया तथा उन्हें सम्मानित किया गया। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा अस्पताल, पोस्ट ऑफिस आदि प्रमुख स्थानों पर विशेष सुविधा प्रदान किये जाने की मांग की गई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोकानिका उपाध्याय, विधेदेव

शुक्ल, रामधन सरोज, विजय नारायण शर्मा, विनोद कुमार मिश्र, इंद्रमणि मिश्र, रमाशंकर सिंह, कृष्णदेव दुबे, प्यारे लाल मिश्र, श्याम शंकर दुबे, जीवन शंकर, शारदा प्रसाद दुबे आदि मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जेतवारा थाना क्षेत्र के सराय नाहर राय गांव निवासी मनोज कुमार का (20) वर्षीय पुत्र मनीष कुमार शनिवार को दोपहर घर से बाइक से किसी कार्य से बाजार जा रहा था जैसे ही वह गोसाईं पुर मोड़ पर पहुंचा सामने से तेज गति से आ रही ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगो ने घटना की सूचना परिजनों व पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे एस एच ओ अशोक मौर्य व एस आई सुमित सिंह ने ट्रक व बाइक को बचाने में लेकर थाने भेज दिया और घायल किशोर को सीएचसी काबायार पहुंचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत से परिजनों में कोहराम सा मचा हुआ है।

एंजिल्स स्कूल में डांडिया कार्यक्रम में बच्चों ने मचाया धमाल

हर्षोल्लास के साथ मना कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में नवरात्रि के अवसर पर डांडिया कार्यक्रम विद्यालय की अध्यापिकाओं एवं छात्राओं द्वारा एकसाथ हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यालय के नहे मुने बच्चों के द्वारा रामायण के भरत मिलाप, शबरी प्रसंग, राजतिलक आदि सहित अनेक प्रसंग प्रस्तुत किए गए।

प्रबन्धक डॉ0 शाहिदा ने बताया कि अपनी संस्कृति को बचाने एवं बच्चों में, संस्कारमय वातावरण निर्मित करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके बाद डांडिया की मस्ती में सभी घंटों झूमते रहे। ओह के अंधेरे में तो पिपा से



डांडिया नृत्य करती स्कूल की छात्राएं व अध्यापिकाएं।

मिलन गईं.. रंगीलो म्हारो ढोलना अरर-अरर... उड़ी-उड़ी जाए-उड़ी जाए हिल की परंग लेके... हे नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरवाली... तुने मुझे बुलाया शेर वालिए... ढोल बाजे-ढोल बाजे-ढोल बाजे कि बाजे डम-डम ढोल समेत अन्य गीतों पर लोगों ने जमकर नृत्य किया। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े सभी ने जमकर डांडिया का आनंद लिया। आज नवरात्रि के डांडिया प्रोग्राम में स्कूल में सभी बच्चे फैंसी ड्रेस पहन

कर आए। छात्राओं के साथ अध्यापिकाओं ने भी डांडिया खेला और छोटे बच्चों के साथ में नृत्य किया। कार्यक्रम में एफ जीनत, पूनम श्रीवास्तव, शकुन्तला सिंह, मंजू मिश्रा, शिखा पाण्डे, रेखा शुक्ला, सुमन सिंह, नेहा खंडेलवाल, चंचल पाण्डे, शशि पाण्डे, वीना मिश्रा, नेहा श्रीवास्तव, ज्योति सोनी, माधुरी त्रिपाठी, संगीता, संधू, पूनम पाण्डे, शिखा शुक्ला, यास्मीन आदि अध्यापिकाओं ने भाग लिया।

प्रभात एकेडमी में बच्चों ने किया गरबा नृत्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रभात एकेडमी में नवरात्रि के अवसर पर गरबा व डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस नृत्य में चारों हाउस के बच्चों ने हिस्सा लिया। नालंदा हाउस से सोनाक्षी, मानसी, आशी, यशी, आरुधा आदि ने नृत्य प्रस्तुत किया। कौषाम्बी हाउस से श्रेया, शुभी, अविका, तान्या, वैष्णवी, श्रेयापी ने नृत्य प्रस्तुत किया। तक्षिला हाउस से अन्वी, वैष्णवी, वर्षा, खुशी, सिद्धी, हिमांशी, निवेदिता ने सुंदर प्रस्तुति दी। विक्रमपिला हाउस से महलका, पीहू, शुभी, मानसी, आस्था ने नृत्य किया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा-8 की अपराजिता सिंह व प्रतिभा त्रिपाठी ने किया।



गरबा नृत्य करते प्रभात एकेडमी के बच्चे।

अंत में प्रधानाचार्य प्रभात शर्मा ने सभी के प्रति आभार जताया।

पट्टी का ऐतिहासिक दशहरा मेला 20 नवम्बर को 22 नवम्बर की रात में होगा भरत मिलाप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी का ऐतिहासिक दशहरा मेला 20 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है। श्री रामशोभा यात्रा से मेले की शुरुआत होगी तो 22 नवंबर की रात भरत मिलाप संपन्न होगा। शुक्रवार देर शाम श्री रामलीला कमेटी का गठन करके मेले के संबंध में यह निर्णय लिया गया।

खबर संक्षेप

रेल लाइन के किनारे मिली अज्ञात लाश

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के हावड़ा दिल्ली रेल लाइन के बिदरपुर रेलवे स्टेशन के पास रेल लाइन के किनारे एक व्यक्ति की लाश मिली है जिसकी उम्र लगभग 60 वर्ष बताई जाती है लाश की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीण पहुंचे हैं मौके पर पुलिस भी पहुंच गई है काफी प्रयास के बाद भी लाश की शिनाख्त नहीं हो सकी है पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मंत्री का आगमन आज

कौशांबी। गांधी और शास्त्री जयंती के अवसर पर औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता का 2 अक्टूबर को कौशांबी भ्रमण 10:20 हो रहा है नंद गोपाल गुप्ता मंत्री मां शीतला सर्किट हाउस सिराथू में अधिकारियों के साथ बैठक करेगे उक्त जानकारी जिला सूचना अधिकारी कार्यालय ने दी।

समाधान दिवस में मंडलायुक्त और आईजी ने सुनी जनशिकायतें

तहसील दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही कैं दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक डॉ० राकेश सिंह, जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने तहसील चयल में जनशिकायतों को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को समायान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दिये। मण्डलायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सम्पूर्ण



फरियादियों की समस्याओं को सुनते कमिश्नर आई जी व अन्य

समाधान दिवस एवं आईजीआरएस के तहत प्राप्त शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं के आधार पर निस्तारित किया जाय, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

मण्डलायुक्त ने तहसील दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 71 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 09 शिकायतों का निस्तारण मौके पर कर दिया गया इस

अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी, उप जिलाधिकारी मनीष यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं सीएमओ डॉ० सुषेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर्व पर माता के कार्यक्रमों में महिला पुरुषों की उम्र रही भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। भरवारी कस्बे के पानी टंकी के पास स्थापित की गई मां दुर्गा की प्रतिमा की विधि विधान से सुबह शाम आरती पूजन जगदीश शिवहरे द्वारा किया जा रहा है कार्यक्रम में प्रवचन कथावाचक अनुपमा सुरीली रामायणी द्वारा किया जा रहा है इस कार्यक्रम में रामायण के कथा को सुनने के लिए महिला पुरुष भक्तों की भीड़ उमड़ रही है माता के जयकारे से पूरा पांडाल गूंज रहा है देर रात्रि तक संगीत की धुन पर देवी पांडाल में कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं देवी पांडाल में महिला पुरुष बच्चे बड़े की भारी भीड़ उमड़ रही है कस्बे के अन्य स्थानों पर भी माता की मूर्तियां स्थापित की गई हैं जहाँ भक्तों की भीड़ उमड़ रही है आरती पूजन कथा के वक्त माता के जयकारे से देवी पांडाल गूंजमान हो रहे हैं नवरात्रि के पावन पर्व पर पानी टंकी स्थित मां दुर्गा के प्रांगण में कथावाचक एवं व्यास जी का शिक्षिका नीतू सक्सेना ने स्वागत अभिनंदन किया है।



नवरात्रि पूजा में उमड़ी भक्तों की भीड़



कथावाचक को सम्मानित करती शिक्षिका नीतू सक्सेना

भवन्स मेहता विद्याश्रम में आयोजित किया गया बैज अलंकरण समारोह

अखंड भारत संदेश



भवन्स मेहता कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं

अखंड भारत संदेश
भरवारी कौशांबी। भवन्स मेहता विद्याश्रम स्कूल भरवारी में बैज अलंकरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय ने बच्चों की उनेतुव क्षमता को बढ़ावा देने के लिए 'अलंकरण-अलंकरण पद एवं जिम्मेदारी दी। कॉलेज के हेडब्याय के रूप में अभिषेक यादव तथा हेडमाल के रूप में सताक्षी दिवाकर को चुना गया। 'डिसिप्लिन हेड' मास्टर पिपूष उपाध्याय को बनाया गया स्कूल असेंबली इंचार्ज सुहानी द्विवेदी को चुना गया मास्टर राज पाण्डेय को स्पোর্ट्स कैप्टन का दायित्व दिया गया एवं कल्चरल इंचार्ज गरिमा सिंह को बनाया गया मास्टर प्रांजल परमार को नेहरू हाउस का कैप्टन पिपूष कुमार को वाइस कैप्टन, ज्योति जायसवाल को कल्चरल इंचार्ज, अलक्षा इकबाल को असेंबली इंचार्ज एवं गौरव यादव को स्पোর্ट्स इंचार्ज चुना गया। मास्टर पंकज कुमार को मेहता हाउस का कैप्टन चुना गया जिसमें अभिषेक पाल को वाइस कैप्टन, अंशु चौबे को कल्चरल इंचार्ज, आकांक्षा सिंह को असेंबली इंचार्ज एवं रैयान अहमद को स्पোর্ट्स इंचार्ज की जिम्मेदारी दी गई इसी क्रम में मास्टर उल्फेक विश्वकर्मा को धुंगी हाउस का कैप्टन बनाया गया जिसमें अभिराज त्रिपाठी को वाइस कैप्टन, माया तिवारी को कल्चरल इंचार्ज, दीपिका यादव को असेंबली इंचार्ज एवं असकरी हसन को स्पোর্ट्स इंचार्ज बनाया गया मास्टर उमर को मालवीय हाउस का कैप्टन बनाया गया जिसमें रैयान अहमद को वाइस कैप्टन, खुशी को कल्चरल इंचार्ज, कोमल को असेंबली इंचार्ज व अंकुर यादव को स्पোর্ट्स इंचार्ज चुना गया। [मार्शल के रूप में आवेश अंसारी, वैभव शेख, म. हमदान, प्रांजल मिश्र, तुजसा व

अवैध नर्सिंग होम संचालकों से करोड़ों की वसूली कर रहा साहब का चहेता!

कौशांबी। बसपा और समाजवादी पार्टी की सरकार में शुरू हुए सिस्टम को 6 वर्ष के कार्यकाल में योगी सरकार भी नहीं तोड़ सकी है 20 वर्ष पूर्व नर्सिंग होम से शुरू हुआ अवैध वसूली का खेल दिनों दिन बढ़ता गया है अवैध वसूली के धंधे नहीं बंद हो सके हैं सिस्टम की जिम्मेदारी एक खास लिपिक को सौंपी गई है जिसका खामियाजा मरीज और परिजन भुगत रहे हैं कम पड़े लिखे लोगों के हाथ निजी नर्सिंग होम की कमान सौंप कर स्वस्थ विभाग का एक लिपिक करोड़ों रुपए साल की अवैध वसूली में लिप्त है नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन और पाली क्लीनिक के रजिस्ट्रेशन की पत्रावली भी विभाग में मौजूद नहीं दिखाई पड़ रही है सवाल जवाब के बाद भी किसी भी नर्सिंग होम की जानकारी सीएमओ नहीं दे पा रहे हैं सुत्रों की माने तो नर्सिंग होम और पॉलीक्लिनिक की पत्रावली विभाग से गायब कर दी गई है जिसका लाभ अवैध नर्सिंग होम और अवैध पाली क्लीनिक संचालक उठा रहे हैं बेखौफ तरीके से संचालित अवैध नर्सिंग होम से वसूली करने वाला यह लिपिक सीएमओ का चहेता बताया जाता है जिले में अवैध तरीके से संचालित नर्सिंग होम की भरमार है विभागीय आंकड़ों की बात करें तो 732 नर्सिंग होम जिले में संचालित हो रहे हैं जो मानक नहीं पूरा कर रहे हैं दो विहाई नर्सिंग होम सरकारी थिकिस्सक व कामासिस्ट के हवाले हैं नार नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन में 2 लाख रुपए साहब का चहेता लिपिक वसूल रहा है जिससे मानक दरकारि कर दिया जाता है वहीं मानक ना पूरा करने वाले नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन के बाद रिन्यूअल के समय फिर 50 हजार रुपए की वसूली साहब का चहेता लिपिक रहा है मधुमक्खी की तरह साहब के आगे पीछे लगे रहने वाले इस लिपिक के कारनामों पर मुख्य थिकिन्सा अधिकारी की मेहरबानी क्यों बनी है यह बड़ी जांच का विषय है झोलाछाप थिकिस्सकी और कम पड़े लिखे लोगों के हाथ इलाज की व्यवस्था दे दिए जाने के बाद जिले में मौत का आंकड़ा बढ़ गया है मरीजों से इलाज के नाम पर अवैध वसूली का खेल आसमान चढ़ कर बोल रहा है आम जनता इलाज के नाम पर प्रताड़ित है उसे इलाज नहीं मिल पा रहा है लेकिन फिर भी मानक ना पूरा करने वाले अस्पतालों की शिकायतों के बाद भी सीएमओ कार्यवाही नहीं कर रहे हैं सुत्रों की माने तो साहब का चहेता लिपिक करोड़ों रुपए साल की अवैध वसूली में लिप्त है और लिपिक के अवैध वसूली में साहब भी खुश है लेकिन साहब को नहीं पता है कि उनके चहेते लिपिक के कारनामों की जब शिकायत शासन स्तर से हुई तो लिपिक के कारनामे के चलते पूर्व में कई सीएमओ को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी है।

एनडी कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज :

संपन्न हुआ भव्य बैज अलंकरण समारोह

अखंड भारत संदेश



कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधायक संजय गुप्ता छात्राएं व अन्य

रिमझिम को प्रदान किया गया। संस्थान के लिए आज का दिन बहुत सुखद पूर्ण था बच्चों के अंदर गजब का उत्साह देखने को मिल रहा था संस्थान के चेयरमैन पूर्व विधायक चालू संजय कुमार गुप्ता ने पद अलंकरण के इस महान अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान समाज एवं देश का विकास अनुशासन पर निर्भर होता है

विना अनुशासन के कभी भी स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती और स्वस्थ समाज तभी साकार रूप में आ सकता है जब हर व्यक्ति के अंदर अनुशासन रूपी जिम्मेदारी का भाव हो उन्होंने बच्चों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों कटिन परिश्रम कभी भी बेकार नहीं होती हमेशा कटिन परिश्रम और अनुशासन

निरीक्षण के दौरान अविकसित मस्तिष्क वाले पाए गए बच्चे

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मानसिक मंदित बच्चों के लिये संचालित दीपमाला आश्रय सदन चयल का शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी डॉ रवि किशोर त्रिवेदी ने निरीक्षण किया उक्त आश्रय सदन दीपमाला जन कल्याण समिति नामक एक एनजीओ द्वारा चलाया जा रहा है मुख्य विकास अधिकारी के निरीक्षण के समय जिला दिव्यजनन सशक्तिकरण अधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी चयल साथ में मौजूद रहे।

25 बच्चों के पंजीकरण वाले इस संस्थान में 16 बच्चे उपस्थित पाये गये। उक्त बच्चों के भरग पोषण हेतु संस्था को 22 लाख रुपये की धनराशि अनुदान के रूप में सरकार से प्राप्त होती है सीडीओ के निरीक्षण में देखा गया कि आश्रय सदन द्वारा बाहर कोई बोर्ड नहीं लगावाया गया है जिससे अन्य विभागीय अधिकारियों को संस्था के संचालन की जानकारी नहीं हो पाती कि यहां ऐसा कोई आश्रय गृह संचालित है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने संस्था के जिम्मेदारों को निर्देश दिये है कि तत्काल संस्था के बाहर बोर्ड लगाया जाय। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि संस्था के निरीक्षण से मालूम हुआ है कि विभाग के अतिरिक्त पिछले कई वर्षों से किसी अधिकारी ने इसका निरीक्षण नहीं किया है उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि समय समय पर इसका निरीक्षण करायें संस्था के निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने देखा कि बच्चों के रहने व पढ़ने व

मानसिक मंदित बच्चों के विद्यालय के संचालन में मिली तमाम खामिया



सेवा संस्थान का निरीक्षण कर वापस निकलते सीडीओ

सोखने के लिये उक्त भवन उपयुक्त नहीं है संस्था द्वारा जिस भवन में कक्षाएं चलाई जा रही हैं उस भवन में अंधेरा सा रहता है जो बच्चों के समुचित विकास के लिये ठीक नहीं है। संस्था के संचालक को निर्देश दिये गये कि शीघ्र ही वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करायें। निरीक्षण के दौरान बच्चों के मानसिक स्तर का परीक्षण किया गया। 5 बच्चे पूरी तरह से अविकसित मस्तिष्क वाले हैं। शेष कुछ सोखने की क्षमता रखते हैं। खण्ड विकास अधिकारी चयल ने उक्त बच्चों को मिटाई नमकीन फ्रूटी व फल इत्यादि का भी वितरण कराया।

दहेज लोभियों ने विवाहिता को मार पीट कर घर से किया बेघर

विवाहिता के पिता ने ससुराली जनों के विरुद्ध लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप

कौशांबी। चरवा थाना अंतर्गत पन्नोई गांव निवासी यशवंत सिंह ने अपनी पुत्री कल्पना की शादी कोखराज थाना क्षेत्र के हरयापुर निवासी लाल सिंह के साथ 6 वर्ष पूर्व किया था। लाल सिंह व ससुरालीजन कल्पना से दहेज में पच्चास हजार नगद एक बैस की मांग करने लगे कल्पना ने यह बात अपने पिता यशवंत सिंह से बताई तो यशवंत सिंह ने कल्पना को पच्चास देकर मामला शांत कराया उसके बाद कुछ दिन ठीक-ठाक तक चलता रहा फिर ससुरालियों ने पच्चास हजार रुपए कर्ज चुकाने के लिए कल्पना से मांग करने लगे कल्पना ने इनकार कर दिया तो पति व ससुराली जन कल्पना को प्रताड़ित करने लगे और पिछले 3 दिन पहले कल्पना को घर में बंद करके लात धूसों से मारा पीटा उसके बाद उसको घर से निकाल दिया। कल्पना अपने बच्चों संग अपने माइका आई पिता से आपबीती बताई तो पिता ने पति व ससुरालीजनों के विरुद्ध चरवा थाना में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है चरवा पुलिस जांच में जुटी है।

उपजिलाधिकारी से बड़ा अपने को समझते हैं चौकी इंचार्ज टेढ़ीमोड़...

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के टेढ़ी मोड़ पुलिस चौकी इंचार्ज अनुशासन हीन हो गए हैं उन्हें अपने अधिकारियों का आदेश की अवहेलना करने में संकोच नहीं लग रहा है बिना किसी आधार के कब्जे को रोकने का निर्देश एसडीएम सिराथू ने दिया लेकिन महीनों बीत जाने के बाद एसडीएम के निर्देश का पालन चौकी इंचार्ज नहीं कर सके डीएम एसपी को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में रमेश पांडेय पुत्र राधेश्याम पांडेय निवासी हिसामपुर परसखी थाना कोखराज ने बताया कि उसके जमीन खेत हिसामपुर परसखी में मौजूद है जिसमें परिवार के कई लोग हिस्सेदार हैं लेकिन उक्त जमीन पर जबरिया नंदलाल सरोज निवासी तरसौरा अपने दर्जनों साथियों के साथ जमीन पर जबरिया कब्जा कर रहे है मामले में उप जिलाधिकारी सिराथू ने कई बार चौकी इंचार्ज टेढ़ीमोड़ को अवैध कब्जा धारकों के कब्जे को रोकने का निर्देश दिया लेकिन चौकी इंचार्ज टेढ़ीमोड़ के सहयोग से जबरिया नंदलाल सरोज पुत्र अहजय रमेश पटेल पुत्र रामखेलावन व संदीप पुत्र रामसुभे व

अफसरों का आदेश ना मान कर धना दोहन में जुटे चौकी इंचार्ज को निलंबित किए जाने की मांग

दुद्धा पुत्र महादेव वा गुलशन पुत्र लक्ष्मण वा रविन्द्र पुत्र बच्चो लाल वा रामरूप पुत्र हुबलाल अपने दर्जनों साथियों के साथ जमीन खेत पर जबरिया कब्जा करने के लिए उतारू है मौके पर कई बार अराजकता की जा चुकी है जिससे जमीन सुरक्षित नहीं है शिकायतकर्ता ने जमीन पर तिल्ली की फसल बोई थी जिसे नंदलाल आदि ने नष्ट कर दिया है और खेत पर जाने से रोकते हैं शिकायतकर्ता ने बताया कि चौकी पुलिस उनका समर्थन करती है जबकि विपक्षियों के पास किसी प्रकार का अभिलेख मौजूद नहीं है चौकी इंचार्ज टेढ़ीमोड़ विपक्षियों से सांठगांठ कर एससी एसटी सहित गम्भीर धाराओं में झूठा मुकदमा दर्ज करने की मंशा बनाए हुए है फसल नष्ट करने वाले नंदलाल आदि पर मुकदमा दर्ज कराते हुए उप जिलाधिकारी सिराथू का आदेश ना मानने वाले चौकी इंचार्ज टेढ़ीमोड़ को निलंबित कर कठोर कार्यवाही की मांग शिकायतकर्ता ने डीएम एसपी से की है।

संचारी रोग रैली तथा फागिंग वैन को डीएम ने झण्डी दिखाकर किया रवाना

जनपद में संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक चलाया जायेगा

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जनजागरूकता रैली तथा फागिंग वैन को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर तक निकाली गयी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ० सुषेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों उपस्थित रहें। जनपद में संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक चलाया जायेगा, जिसके अन्तर्गत जनपदवासियों को मच्छरों से बचाव एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के विषय में जागरूक किया जायेगा। मच्छरों से बचाव हेतु-दरवाजों व खिड़कियों पर जाली लगवाने, नियमित मच्छरदानी का प्रयोग करने, मच्छररोधी उपाय अपनाने, अनुपयोगी वस्तुओं में पानी इकट्ठा न होने देने, पानी की टंकी



पूरी तरह से ढक कर रखने, पूरी बांह वाली कमीज पैन्ट और मोजे पहनने, घर और कार्य स्थल के आस-पास पानी जमा न होने देने, कूलर व गमलों आदि को साप्ताह में खाली कर सुखाने एवं गड्ढों में जहाँ पानी इकट्ठा हो, उसे मिट्टी से भर देने आदि के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसी प्रकार संक्रामक रोगों से बचाव हेतु-नालियों में जलजमाव रोकने एवं नियमित सफाई करने,

जनवर बाड़े.घर से दूर रखने, जंगली झाड़ियों को नियमित साफ करने, चूहे/छूछूरों से बचने, पीने के लिए इण्डिया मार्का-2 के पानी का प्रयोग करने, खाने से पहले साबुन से हाथ धोने, खुले में शौच न करने तथा नियमित शौचालय का प्रयोग करने, कुपोषित बच्चों का विशेष ध्यान रखने एवं बच्चों को जे0ई0 के दोनों टीके लगवाने आदि के प्रति भी जागरूक किया जायेगा।

न्यूज झरोखा

बुजुर्गों को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

कौशांबी। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धजन आश्रम ओसा में कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी आरके चौरसिया ने वृद्धजनों को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया इस मौके पर फल और मिष्ठान का भी वितरण किया गया वृद्ध जन आश्रम संचालक आलोक राय ने बताया कि कुर्ता पजामा गमछ और महिलाओं को साड़ी कपड़ा आदि वस्त्र दिए गए हैं कार्यक्रम के अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि वृद्ध जनों की सुविधाओं को लेकर सरकार जन कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं उन्होंने इस मौके पर वृद्धजन से कहा कि वह वृद्ध फार्म भरकर वृद्ध पेंशन प्राप्त करें इस मौके पर उन्होंने वृद्धजन आश्रम में निवासरत वृद्धजनों से उनका हालचाल जाना आश्रम द्वारा दी जाने वाली भोजन व अन्य सुविधाओं के बारे में वृद्धजनों से बातचीत कर वहां की स्थिति का जायजा लिया।

सेवा निवृत्त शिक्षक कर्मचारी सम्मान समारोह आयोजित

कल्याणपुर कौशांबी। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मंझनपुर कस्बे के धाता रोड में अटेवा पेंशन बचाओ मंच कौशांबी द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है शहीद डॉक्टर राम आशीष सिंह की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाता है 1 अक्टूबर शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में जनपद कौशांबी के विभिन्न विभागों ब्लाक से कार्यक्रम में शामिल हुए सभी सम्मानित शिक्षक शिक्षिकाओं कर्मचारियों अधिकारियों को सम्मानित किया गया है कार्यक्रम में पेंशन बचाव से संबंधित मुद्दे पर वक्ताओं ने चर्चा की है इस कार्यक्रम में तमाम सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं अधिकारी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

गांधी व शास्त्री जयंती के पूर्व संस्था पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

भरवारी कौशांबी। नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी में देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और महात्मा गांधी के योगदान की चर्चा की गई इस मौके पर स्थानीय पत्रकार राजू सक्सेना सहित कई पत्रकारों को सम्मानित किया गया है कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक रवि कुमार तिवारी और प्रधानाचार्य कलीम अहमद ने गांधी और शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला है वक्ताओं ने कहा कि गांधी के योगदान और शास्त्री के कर्मनता को कभी भुलाया नहीं जा सकता है इस मौके पर विद्यालय के तमाम शिक्षक समेत तमाम गणमान्य लोग और छात्र मौजूद रहे।

संपादकीय

अनचाहे गर्भ से कानूनी छुटकारा

सुप्रीम कोर्ट ने भारत की महिलाओं के अधिकारों के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। उसने अपने ताजातरीन फैसले में सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दे दिया है, वे चाहे विवाहित हों या अविवाहित हों। भारत में चले आ रहे पारंपरिक कानून में केवल विवाहित महिलाओं को ही गर्भपात का अधिकार था। वे गर्भ धारण के 20 से 24 हफ्ते में अपना गर्भपात करवा सकती थीं लेकिन ऐसी महिलाएं, जो अविवाहित हों और जिनके साथ बलात्कार हुआ हो या जो जान-बूझकर या अनजाने ही गर्भवती हो गई हों, उन्हें गर्भपात का अधिकार अब तक नहीं था। उसका नतीजा क्या होता रहा? ऐसी औरतें या तो आत्महत्या कर लेती हैं, या छिपा-छिपाकर घर में ही किसी तरह गर्भपात की कोशिश करती हैं या नीम-हकीमों और डॉक्टरों को पैसे खिलाकर गुपचुप गर्भमुक्त होने की कोशिश करती हैं। इन्हीं हरकतों के कारण भारत में 8 प्रतिशत गर्भवती औरतें रोज मर जाती हैं। लगभग 70 प्रतिशत गर्भपात इसी तरह के होते हैं। जो औरतें बच जाती हैं, वे इस तरह के गर्भपातों के कारण शर्म और विभारियों की शिकार हो जाती हैं। भारत में गर्भपात संबंधी जो कानून 1971 और संशोधित कानून 2021 में बना, उसमें अविवाहित महिलाओं का गर्भपात गैरकानूनी या अपराधिक माना गया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसी ही महिला के मामले पर विचार करते हुए सभी महिलाओं को गर्भपात की छूट दे दी है। जाहिर है कि संसद अब इस आदेश को लागू करने के लिए कानून बनाएगी। इसके साथ-साथ अदालत ने यह भी माना है कि यदि कोई विवाहित स्त्री अपने पति के बलात्कार के कारण गर्भवती हुई है तो उससे भी गर्भपात की छूट देनी चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि जो भी अविवाहित महिला गर्भवती होती है, वह व्यभिचार के कारण ही होती है। इसके अलावा गर्भपात के लिए अन्य कई अनिवार्य कारण भी बन जाते हैं। उन सब पर विचार करते हुए अदालत का उक्त फैसला काफी सही लगता है लेकिन डर यह है कि इसके कारण देश में व्यभिचार और बलात्कार की घटनाएं बढ़ सकती हैं, जैसा कि यूरोप और अमेरिका में होता है। दुनिया के 67 देशों में गर्भपात की अनुमति सभी महिलाओं को है। कुछ देशों में गर्भपात करवाने के पहले उसका कारण बताया जरूरी होता है। कैथोलिक ईसाई और मुस्लिम राष्ट्रों में प्रायः गर्भपात के प्रति उनका रवैया कठोर होता है लेकिन सउदी अरब और ईरान जैसे देशों में इसकी सीमित अनुमति है। दुनिया के 24 देशों में अभी भी गर्भपात को अपराध ही माना जाता है। भारत में गर्भपात की अनुमति को व्यापक करके सुप्रीम कोर्ट ने स्त्री-स्वातंत्र्य को आगे बढ़ाया है लेकिन तलाक के पेचीदा कानून में भी तुरंत सुधार की जरूरत है। तलाक की लंबी मुकदमेबाजी और खर्च से भी लोगों का छुटकारा होना चाहिए। इस संबंध में संसद कुछ पहल करे तो वह बेहतर होगा।

साम्प्रदायिकता को सुलझाने का गांधी का तरीका

अरुण कुमार डनायक
जब गांधीजी के सामने मुस्लिमों को विस्थापित करने का प्रस्ताव 'मुस्लिम लीग' के नेताओं ने प्रस्तुत किया तो उन्होंने इसे सिर से नकार दिया और अपना जोर इस दिशा में लगाया कि हिंदुओं का हृदय परिवर्तन कर उन्हें दंगा पीड़ित मुसलमानों को उनके ही घरों में बसाने के लिए प्रेरित किया जाय। गांधीजी को अपने इस मिशन में पर्याप्त सफलता मिली और इस प्रकार उनकी सद्भावना और सर्व-धर्म-समभाव की नीति ने भारत के एक बड़े भू-भाग को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश को ध्वस्त कर दिया। कलकत्ता में हिन्दा की सीधी कार्रवाई का सबसे ज्यादा असर हुआ था। पहले हिन्दू विरोधी दंगे हुए और लगभग पांच हजार लोग मारे गए, जवाब में हिंदुओं ने भी उग्र हिंसात्मक प्रदर्शन किए और मुसलमानों का कल्लेआम किया। नफरत और हिंसा का उतर तो प्रतिहिंसा ही है, ऐसा एक बार फिर सिद्ध हुआ और पूर्वी बंगाल में नोआखली, जहां अस्सी प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी थी, हिन्दू विरोधी दंगे भड़क उठे। इन दंगों को शांत करने गांधीजी वहां गए और लगभग चार महीने तक वहां के ग्रामीण इलाकों का भ्रमणकर कोभी एकता स्थापित करते रहे। अपना मिशन पूर्ण कर जब वे एक बार फिर नोआखली की यात्रा की तो जयलाना बना रहे थे तब उन्हें लगातार बिहार की बिगड़ती स्थितियों के संदेश मिल रहे थे। कलकत्ता में हुई सीधी कार्रवाई का दुष्परिणाम नोआखली में हिंदुओं का कल्लेआम था, तो नोआखली की घटनाओं ने बिहार को साम्प्रदायिकता की आग में धकेल दिया था। यद्यपि बिहार में कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार काम कर रही थी, केंद्र से भी अनेक नेताओं ने बिहार की स्थिति को काबू करने के लिए दौरे शुरू कर दिए थे। पंडित नेहरू तो स्वयं बिहार आए और उन्होंने मुसलमानों को आश्वस्त करने का सफल प्रयास किया, लेकिन हिन्दू विधायियों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन से एक बार फिर मुसलमान दशरत में आ गए। मुस्लिम नेताओं को भय था कि यदि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनी तो मुसलमानों का सफाया कर दिया जाएगा। केवल गांधीजी ही मुसलमानों के मन से इस भय को दूर कर सकते हैं, ऐसा अनेक मुस्लिम नेताओं का मानना था। गांधीजी ने भी बिहार जाना तय किया और 2 मार्च 1947 को हाजिरा से पटना के लिए रवाना हो गए। पटना में उनसे मिलने वाले तो उन्हें जो जानकारियां दीं उससे वे काफी व्यथित हुए। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भी उन्हें बताया कि मुसलमानों के आर्थिक विरोधी आंदोलन किया जा रहा है। दोनों नेताओं का यह मत था कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय एक दूसरे से गुंथे हुए हैं। हिंदुओं में विवाह अगर ब्राह्मण करवाते हैं, तो चूड़ियां मुस्लिम फेरी वाले देते हैं, नाई और हज्जाम मुसलमान हैं और इनके सहयोग के बिना हिंदुओं का सबसे पवित्र संस्कार विवाह तक नहीं हो सकता। ऐसे में दोनों को अलग कर देना किसी जिंदा आदमी के हाथ-पैर काटकर अलग कर देना होगा। गांधीजी ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सलाह दी कि यदि सभी लोग सहज निष्ठा से साम्प्रदायिक सोहद स्थापित करने में जुट जाएं तो एक बार फिर चंपारण जैसा चमत्कार हो सकता है।

मोदी का नेतृत्व और भारत का आत्मविश्वास

हृदय नारायण दीक्षित
भारत के धरती और आकाश केसरिया हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अब भारत की ओर दुनिया की कोई भी महाशक्ति आंख नहीं उठा सकती। एक नई तरह का सांस्कृतिक पुनर्जागरण चल रहा है। हम भारत के लोग अपनी विशेष संस्कृति के कारण दुनिया के अद्वितीय राष्ट्र हैं। विदेशी सत्ता के दौरान यहां धर्म, संस्कृति और सांस्कृतिक प्रतीकों के अपमान का वातावरण था। भारतीय ज्ञान परंपरा को अंधविश्वास कहा जा रहा था। पश्चिम से आयातित सेकुलर विचार ने भारतीय परंपरा को अपमानित करने का पाप किया था। हिन्दू होना अपमानजनक था। मोदी ने भारत के स्वाभाविक विचार प्रवाह को नेतृत्व दिया। धार्मिक सांस्कृतिक प्रतीक गर्व के विषय बने। मोदी ने काशी विश्वनाथ कांरिडोर के उदघाटन कार्यक्रम में श्रेष्ठ भारत का बिगुल फूँका। सांस्कृतिक कार्यक्रम से चिढ़े कथित प्रगतिशील सेकुलर तत्व मोदी पर हमलावर थे। कथित सेकुलर खेमे ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सेकुलर विरोधी बताया था। कहा था कि, मोदी ने मंदिर के धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर संविधान में उल्लिखित सेकुलर भावना का अपमान किया है। मोदी अपनी धुन के पक्के हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत का सर्वांगीण विकास किया है। भारतीय धर्म साधना व संस्कृति को भी लगातार मजबूती दी है। यूरोपीय कालगणना में "ईसा के पूर्व व ईसा के बाद" समय का विभाजन है। समय विभाजन की इस धारणा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम जुड़ गया है। भारत के संदर्भ में धर्म संस्कृति और लोकमंगल मोदी के पूर्व व मोदी के समय विचारणीय हैं। मोदी के पहले भारत का मन उदास था, अब मोदी के समय भारत का मन उल्लास में है। मोदी के पहले भारत का मन आत्मविश्वासहीन था, अब मोदी के समय भारत आत्मनिष्ठ हो रहा है। राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में उमंग, उत्साह का वातावरण है। भारत आत्मविश्वास से भरा पूरा है। धर्म संस्कृति को लेकर मोदी के पहले हीन भाव था। विदेश आयातित सेकुलर पंथ का प्रभाव था। राजनैतिक वातावरण अल्पसंख्यकवादी था। अब



मोदी के समय राष्ट्र सर्वोपरिता का वातावरण है। सबका साथ सबका विकास प्रत्यक्ष है। मोदी विरल हैं, स्वभाव से संवेदनशील तरल हैं। उनके 'मन की बात' पर राष्ट्र का भरोसा है। संसद संवैधानिक जनप्रतिनिधि सदन है। प्रधानमंत्री के रूप में वे पहली दफा संसद पहुंचे। उन्होंने संसद को साष्टांग प्रणाम किया। मोदी के पहले ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जम्मू-कश्मीर की विशेष संवैधानिक स्थिति (अनु.370) समूचे राष्ट्र के लिए चिंता का विषय थी। इसकी समाप्ति राष्ट्रवादियों की गहन अभिलाषा थी। मोदी के नेतृत्व में इस व्यवस्था का निरसन हुआ। इतिहास देवता ने मोदी के कर्म सकल्प को सम्मानजनक ढंग से अपने अंतः स्थल में संरक्षित किया है। मोदी अंतरराष्ट्रीय नेता हैं। योग सम्पूर्ण विज्ञान है। मोदी विरोधी योग विज्ञान पर भी आक्रामक रहे हैं। पतञ्जलि (लगभग 185 - 184 ई०पू०) ने योग सूत्र लिखे थे। योग विश्व का भारतीय ध्यान साधना का अद्वितीय उपहार है। मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में योग की मान्यता का प्रस्ताव किया। मोदी के प्रस्ताव को 170 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला। इनमें 47 मुस्लिम देश भी शामिल हैं। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने सेकुलरपंथियों की परवाह न करते हुए अयोध्या के श्रीरामजन्म भूमि के शिलान्यास में हिस्सा लिया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर राष्ट्र का

स्वप्न था। स्वप्न सच हो रहा है। वाराणसी में वे गंगा आरती में सम्मिलित हुए। उन्होंने केदारनाथ मंदिर में 15 घंटे साधना की। वे दुनिया के सभी देशों में अपनी यात्रा के दौरान भारत के सांस्कृतिक प्रतीकों की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं। वे इस विशाल और प्राचीन देश की मूल चेतना को प्रतिनिधित्व देते हैं। वे बांग्लादेश की यात्रा पर गए। ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे। देवी की उपासना की। इसी तरह नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर गए। पूजा और उपासना की। धर्म संस्कृति के प्रति सेकुलरों द्वारा बढ़ाया गया हीन भाव समाप्त हो रहा है। लोक में प्राचीन संस्कृति के प्रति आदर व आत्मविश्वास बढ़ा है। मंदिर भारतीय साधना के शिक्षक कलश हैं। मंदिर भारत के लोगों को आश्वस्त करते हैं। सेकुलरपंथी मंदिर के नाम पर चिढ़ते हैं। लेकिन मोदी अपनी सांस्कृतिक प्रतिबद्धता से समझौता नहीं करते। उन्होंने करतारपुर साहिब में श्रद्धालुओं के आवागमन को सुविधा बहाल कराई। कैलाश मानसरोवर के तीर्थ यात्री अव्यवस्था से परेशान थे। मोदी ने होने के कारण इसकी व्यवस्था चीन में की। डॉ. राममनोहर लोहिया की बात याद आती है। लोहिया जी ने कहा था-' दुनिया में ऐसी कोई कीम नहीं जो अपने सबसे बड़े देवता शिव को परदेस में बसा दे। लेकिन वह बहुत दिन नहीं चलेगा। भारत की गद्दी पर शक्तिहीन और कमजोर ही नहीं बैठे रहेंगे।' एक दिन ऐसा

नदियों को प्रणाम करना पिछड़ापन नहीं है। श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव की प्रत्यक्ष उपासना रूढ़िवादिता नहीं है। देशकाल वातावरण बदल चुका है। मोदी ने भारत की जीवनशैली और प्रतीकों को प्रतिष्ठित किया है। इसका सर्वव्यापी प्रभाव हुआ है। अब हिन्दू और हिन्दुत्व की उपेक्षा संभव नहीं है। सेकुलर राजनीति में सक्रिय वरिष्ठ महानुभाव भी हिन्दू प्रतीकों से जुड़ रहे हैं। हिन्दुत्व से अलग रहकर राजनीतिक क्षेत्र में भी कोई संभावना नहीं है। राहुल गांधी भी हिन्दू होने का प्रचार कर चुके हैं। इस राजनीति द्वारा जनेऊ भी दिखाए जा रहे हैं। मोदी के परिश्रम का परिणाम है कि हिन्दू मान्यताएं सर्वमान्य हो रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि भारतीय विचार के विरोधी सेकुलर पंथ की विदाई तय हो चुकी है। कला के क्षेत्र में भी मोदी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जादू है। पहले सिनेमा के कथानक में मंदिरों और महलों को अपमानजनक ढंग से प्रस्तुत किया जाता था। अब भारत के नए वातावरण में हिन्दुओं का मजाक बनाने वाले कथानक पसंद नहीं किए जाते। पूरे भारत का वातावरण बदल गया है। संस्कृति तत्व सत्य सिद्ध हो चुके हैं। एक नई तरह का नवजागरण गठित हो रहा है। इस राष्ट्र जागरण में भारत की रीति की प्रतिष्ठा है। भारत की नीति की का अभिनंदन है। भारत की नीति की प्रतिष्ठा है। यह सब काम आसान नहीं था। पहले हिन्दू होना पीड़ादायी था। अब हिन्दू होना सौभाग्यशाली होना है। यह नामुकिन था लेकिन मोदी के कारण मुमकिन हो चुका है। मोदी ने वाकई में चमत्कार किया है। समूचा विश्व भारत की लगातार बढ़ रही प्रतिष्ठा को ध्यान से देख रहा है। मोदी के पांच प्रण - '2047 तक विकसित भारत', 'ग्लोबामी के अहसास से आजादी', 'विरासत पर गर्व', 'एकता व एकजुटता पर जोर' व 'नागरिकों का कार्टूट' - भारत के प्रण संकेत हैं। राष्ट्र इनसे प्रतिबद्ध है। (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आएगा जब सब बदल जाएगा। वाकई अब यह समय आ गया है। मोदी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को आसान बनाया है। मोदी जहां-जहां जाते हैं, वहां-वहां भारत की संस्कृति का ध्वज ऊंचा करते हैं। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि ग्रंथ है। मोदी ने अनेक राष्ट्राध्यक्षों को गीता भेंट की है। मोदी पर सारी दुनिया का भरोसा बढ़ा है। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति से कहा यह समय युद्ध का नहीं है। युद्ध से कोई लाभ नहीं होता। प्रधानमंत्री ने अपने अभियानों से सिद्ध कर दिया है कि धर्म और संस्कृति की पक्षधरता और प्रतिबद्धता किसी भी रूप में साम्प्रदायिकता नहीं है। मंदिर जाना रूढ़िवादिता नहीं है। गंगा जैसी पवित्र नदियों को प्रणाम करना पिछड़ापन नहीं है।

आओ सत्य अहिंसा शांति और धर्मनिरपेक्षता में दृढ़ विश्वास बढ़ाएं

किशन भावनानी
वैश्विक स्तर पर मोहनदास करमचंद गांधी का नाम दुनियाभर में इतना प्रसिद्ध है कि इन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है क्योंकि सत्य अहिंसा शांति धर्मनिरपेक्ष वाद राजनीतिक नैतिकतावाद उपनिवेशवाद विरोधी और अनेक प्रभावशाली तरीकों से अग्रजों के शासन से लड़कर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण रोल अदा किया था। बापूजी की गथाएं आज करीब करीब हर व्यक्ति जानता है परंतु मेरा सुझाव है कि आज युवा देश भारत के युवाओं को बापू के अमर स्थानों पर ज़रूर जाने का सौभाग्य प्राप्त करना चाहिए वह साबरमती आश्रम अहमदाबाद, सेवासग्राम वर्धा, आगा खान पैलेस पुणे, गांधी स्मृति दिल्ली, राजघाट, इंदौराट कम्पट पेल्टस, लालकिला वरु कुछ ऐसे स्थान हैं जहां पर हमें आज भी बापू की उपस्थिति महसूस होती है दिल में कहीं ना कहीं बाबू के विश्वासों आदर्शों शिक्षाओं अहिंसात्मक दृष्टिकोण का ऐसा भाव महसूस होता है। कृष्णिक हम 2 अक्टूबर 2022 महात्मा गांधी जयंती उत्सव मना रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ सत्य अहिंसा शांति और धर्मनिरपेक्षता में दृढ़ विश्वास बढ़ाएं। साधियों बात अगर हम गांधी जयंती मनाते की करें तो, यह बात सही है कि हम सभी गांधीजी का कार्मि सम्मान करते हैं। लेकिन उनके साथ तो सभी पूरे होंगे जब हम उनके बताए शांति,

अहिंसा, सत्य, समानता, महिलाओं के प्रति सम्मान जैसे आदर्शों पर चलेंगे। इसलिए इस दिन हमें उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। बापू के विचारों और कार्यों के कारण ही उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय पर्व का दर्जा दिया गया है। उन्होंने लंदन में कानून की पढ़ाई की थी लेकिन लंदन से बैरिस्टर की डिग्री हासिल करने के बाद भी उन्होंने खादी पहनकर देश का भ्रमण किया और आजादी में अपना अमूल्य योगदान दिया। आज हमें बापू जैसे नेताओं की आवश्यकता है। हम उनके बताए रास्ते पर चलकर अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। बापू ने भारतीय समाज में व्याप्त छुआछूत जैसी बुराइयों के प्रति लगातार आवाज उठाई। वो चाहते थे कि ऐसा समाज बने जिसमें सभी लोगोंको बराबरी का दर्जा हासिलहोव्यक्ति सभी को एक ही ईश्वर अल्लाह ने बनाया है। उनमें भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। नारी सशक्तीकरण के लिए भी वह हमेशा प्रयासरत रहे। साधियों गांधी जयंती राजनीतिक नैतिकतावादी, उपनिवेशवाद विरोधी, आध्यात्मिक नेता और भारतीय वकील महात्मा गांधी को सम्मानित करने के लिए मनाई जाती है। बापू के बारे में बात करते समय शब्द कम पड़ जाते हैं, छोटे कद के, मुटुभाषी और बेहद सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति जिन्होंने सभी भारतीयों को एक साथ लाया और उन्हें सभी का कार्मि सम्मान करते हैं। लेकिन उनके साथ तो सभी पूरे होंगे जब हम उनके बताए शांति,

उपनिवेशवाद की बेड़ियों से मुक्त होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बनने में सक्षम था। गांधी ने शांति और अहिंसा की वकालत करते हुए सभी राष्ट्रीय नेताओं को एक साथ लाते हुए स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया। वह धार्मिक बहुलवाद और सत्य और अहिंसा के अद्भूत में दृढ़ विश्वास रखते थे। उन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष देश बनाने के लिए अथक परिश्रम किया। इस प्रकार, गांधी जयंती उस प्रतिष्ठित नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने अहिंसक दृष्टिकोण का पालन करते हुए लोगों को उनके अधिकारों के लिए लड़ने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने देश में अस्पृश्यता और जाति व्यवस्था की भी निंदा की। साधियों बात अगर हम बापू के विचारों पर चलने की करें तो, उनके सिद्धांतों और शिक्षाओं के आधार पर, भारत ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में टोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार और भारत में शीशू को समाप्त करने के लिए 2 अक्टूबर 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' याने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की। हालांकि बापू के आदर्शों शिक्षाओं को ध्यान में रखते हुए हर सरकारों ने इस दिशा में कार्मि कदम बढ़ाए हैं। गांधी जयंती का मत है कि बड़े व्यावसायिक घराने इसके अलावा, यह सिर्फ एक उत्सव नहीं है बल्कि महात्मा गांधी के विश्वासों, शिक्षाओं और आदर्शों को याद करने और उनका पालन करने का दिन है। साधियों बात अगर हम बाबू को राष्ट्रपिता कहे जाने की करें तो, इसके पीछे भी

एक कहानी है। महात्मा गांधी को पहली बार सुभाष चंद्र बोस ने 'राष्ट्रपिता' कहकर संबोधित किया था। 4 जून 1944 को सिंगापुर रेडियो से एक सदेश प्रसारित करते हुए 'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी कहा था। इसके बाद कवि और नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गांधीजी को महात्मा की उपाधि दी थी। इसी के साथ हम सभी को गांधी जी के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। साधियों बात अगर हम बापू के दिलचस्प व्यक्तित्व की करें तो, गांधी और मशहूर लेखक लियो टॉल्स्टॉय के लिए अच्छे दोस्त थे, वे आपस में पत्रों के माध्यम से बातचीत करते थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के जोहासबर्ग से 21 मील दूर एक टॉल्स्टॉय फार्म भी स्थापित किया। 1100 एकड़ के क्षेत्र में फैले इस फार्म को उन सहयोगियों के लिए स्थापित किया गया था जिन्होंने सत्याग्रह संघर्ष के दौरान उनकी मदद की थी। उन्होंने समाज के कमजोर वर्ग और 'अच्छूतों' के उद्धार के लिए अथक प्रयास किया, जिन्हें उन्होंने हरिजन या ईश्वर की संतान का नाम दिया। उन्होंने उनके लिए उपवास किया और उनके लिए उचित इलाज की मांग की। 1982 में महात्मा गांधी के जीवन पर एक फिल्म बनी थी जिसमें उनका किरदार रिचर्ड एटनबरो ने निभाया था। इस फिल्म ने बहुत सारे पुरस्कार, प्रशंसा और प्रशंसा प्राप्त की। इसमें सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर श्रेणी के लिए सबसे प्रतिष्ठित अकादमी

पुरस्कार जीतना भी शामिल है। साधियों महात्मा गांधी को टाइम मैगजीन मैन ऑफ द ईयर में शामिल किया गया जो एक बहुत बड़ा सम्मान है। यह सम्मान दुनिया के कुछ चुनिंदा गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाता है। महात्मा गांधी को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए पांच बार नामांकित किया गया था। आखिरी नामांकन 1948 में उनकी हत्या से कुछ दिन पहले हुआ था महात्मा गांधी एक विपुल लेखक थे। उनके एकत्रित कार्यों में 50, हजार पृष्ठ हैं। और महात्मा का सम्मान उन्हें नोबेल पुरस्कार विजेता बंगाली कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा प्रदान किया गया था। उनकी मृत्यु के 21 साल बाद, ग्रेट ब्रिटेन, जिनके खिलाफ महात्मा गांधी ने अपने राष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए लड़ाई लड़ी, ने उन्हें सम्मानित करने के लिए एक डाक टिकट जारी किया। महात्मा गांधी के अंतिम संस्कार में आठ किलोमीटर लंबा अंतिम संस्कार जुलूस देखा गया। अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसकाविक्षेपण करें तो हम पाएंगे कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर 2022 को धूमधाम से मनाई गई। आओ सत्य अहिंसा शांति और धर्मनिरपेक्षता में दृढ़ विश्वास बढ़ाएं 2 अक्टूबर महात्मा गांधी के विश्वासों आदर्शों शिक्षाओं अहिंसात्मक दृष्टिकोण को उत्सव के रूप में याद कर उनका पालन करने का दिन है।

महंगाई पर नियंत्रण जरूरी

डॉ. अजय कुमार मिश्रा
आज प्रत्येक दूसरा व्यक्ति महंगाई से परेशान है फिर चाहे घरेलू उपयोग की वस्तुएं हों, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा का क्षेत्र हो या अन्य कोई भी क्षेत्र यदि कहा जाए की महंगाई अपने चरम पर है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस महंगाई से लड़ने के लिए या यूँ कहें नियंत्रित करने के लिए सरकार परम्परागत तरीकों पर लगातार कार्य कर रही है। पर वर्तमान आर्थिक परिस्थिति में क्या वास्तव में ये परम्परागत तरीके पूर्ण रूप से उपयोगी है या फिर सरकार को अन्य विकल्पों पर भी कार्य करने की जरूरत है? एक दो नहीं बल्कि कई ऐसे कठोर निर्णय लेकर देश के प्रधानमंत्री जी ने आम जनता को यह जताने की पूरी कोशिश की है की आम आदमी का हित उनके लिए सर्वोपरी है पर जमीनी रूप से कई बातें उनके तथ्यों का साथ नहीं देती है उनसे प्रमुख बेरोजगारी और महंगाई है आइये जानने का प्रयास करते हैं की सरकार द्वारा महंगाई को नियंत्रित करने का जो परम्परागत तरीका अपनाया गया है उसके अलावा अन्य मजबूत विकल्प क्या है? देश में जब महंगाई बढ़ती है तो उसे नियंत्रित करने के लिए कई विकल्पों में से एक मुख्य विकल्प है कर्ज की दरों में वृद्धि करना और बचत योजनाओं पर ब्याज में वृद्धि करना, जिससे बाजार में महंगाई बढ़ना जिला पैसा बैंकों के पास आ जाता है और महंगाई नियंत्रित हो जाती है। विगत पांच महीनों में

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में लगातार चार बार वृद्धि की है (रेपो रेट झू वट दर होती है जिस पर आर.बी.आई. बैंकों को ऋण देता है और बैंक अपने खर्चों को जोड़ कर के आम नागरिकों के लिए ऋण दर निर्धारित करते हैं) - 4 मई 22, .40 बेसिस प्वाइंट, 8 जून 22, .50 बेसिस प्वाइंट, 5 अगस्त 22, .50 बेसिस प्वाइंट, 30 सितम्बर 22, .50 बेसिस प्वाइंट 4 मई 22 के पहले रेपो रेट 4.00% था अभी 5.90% है, इसका मुख्य उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित करना रहा है की गयी वृद्धि का सीधा भार आम जनता को ही पड़ने लगा है रेपो रेट में वृद्धि होने पर पहले से चल रहे विभिन्न ऋण की ईएमआई में वृद्धि हो सकती

है या फिर बैंक लोन अवधि में वृद्धि भी कर सकता है, जबकि मौजूदा ब्याज दर पर नए ऋणों को ऋण दिया जाता है एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए विवेक नाम के किसी व्यक्ति ने छह महीने पहले 6.5% की ब्याज दर पर बैंक से दस लाख रुपये का ऋण 10 वर्ष के लिए लिया है। उस समय उसके ऋण की ईएमआई रुपया 11,355 मासिक थी। तब से अब तक रेपो रेट में 1.90 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की गई है। अब बैंक 1.90% अधिक चार्ज करेगा तो अब उपरोक्त लोन की ब्याज दर 6.5% से बढ़कर 8.4% की ब्याज दर के हिसाब से

12,345 रुपये प्रति महीने देना होगा। ऐसे में विवेक को अब बीते मई 22 महीने के लोन में अपने लोन पर मासिक 990 रुपये अधिक चुकाना पड़ेगा। इस वृद्धि के पश्चात अब अनेकों सवालो ने जन्म ले लिया है जिसका सीधा सरोकार आम जनता से है। सरकार द्वारा रेपो रेट में वृद्धि की उठाये गए कदमों को कई विशेषज्ञ जरूरी मान रहे हैं जबकि कई लोगों का इस पर अलग मत है, मसलन ईपीएफ, पीपीएफ, समेत कई सरकारी योजनाओं में निवेश पर प्राप्त होने वाले ब्याज की दर में सरकार ने अभी तक कोई भी वृद्धि नहीं की है जबकि निवेश की जिन योजनाओं में ब्याज दर में वृद्धि की गयी है वह ऋण में की

यह कवरा हटाओ
डॉ. सुरेश कुमार
जिनके हेयर स्टाइल और चश्मे को देखकर गांधी-गांधी कहती हो वही तो है खन्ना जी। याद नहीं आ रहा? अरे वंधे जो पिछले साल बापू वस्ती में धंधे करने वालियों के साथ हम बिस्तर होते हुए पकड़े गए थे। याद आया! अब मैं उन्हें कल नहीं बुलाऊंगा। तो वर्किंग डे के दिन बुलाऊंगा। इसी महीने हमने शिमला जाने की भी योजना बनाई है न! फिर उन दिनों के लिए छुट्टियाँ कहीं से लाऊंगा? वैसे भी छुट्टी के दिन मैं ऐसे लोगों को निपटा देना चाहिए। आगे उनसे बहुत काम है। अगर खातिरदारी नहीं करोगे तो हमारे जैसे बच्चों का बेड़ा कौन पार लगाएगा? इतना कहते हुए पिता बेटे से कहने लगे, अच्छा एक और चीज। एक किलो मटन और एक किलो चिकन भी ले आना। साथ में उनका पसंदीदा गुटखा और सिगरेट की डिब्बियां ले आना मत लेती न! अरे भाग्यवान! भूल गई

चित्रकूट - खेल संदेश

सेवा पखवाडा कार्यक्रम के तहत पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

चित्रकूट। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चलाये जा रहे सेवा पखवाडा कार्यक्रम के तहत शनिवार को कोठी तालाब के स्थिति नवनिर्मित पार्क में वृक्षारोपण का कार्य एवं बुद्धजनों का सम्मान समारोह का कार्यक्रम जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे की अध्यक्षता में किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर चलाये जा रहे पखवाडा के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण एवं बुद्धजनों के सम्मान के कार्यक्रम में सांसद आर के सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच के तहत ही



विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। आज पेड़ों का तेजी से कटान हो रहा है, किन्तु कोई लगाता नहीं है। इससे पार्टी द्वारा

पेड़ लगाने का कार्यक्रम रखा गया है। इसमें हम सबकी जिम्मेदारी है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाये। इसके साथ इनकी देखभाल भी करे ताकि वह तैयार हो सके। जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे ने कहा की वृक्षारोपण और बुद्धजनों की सेवा का कार्यक्रम आज चलाया गया। जिससे सभी बुद्धों पर वृक्षारोपण किया गया और बुद्ध आश्रमों में जाकर बुद्धजनों को सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने कहा की प्रकृति के साथ इतनी छेड़खान हुई है। जिससे आये दिन प्राकृतिक आपदाये आ रही है। सूखा एवं बाढ़ की स्थिति बन रही

है। इसलिये पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम संयोजक मुन्ना करवरीया ने बताया कि सभी बुद्धों में पेड़ लगाये गये हैं और एक वर्ष बाद इन्हीं पेड़ों का जन्मदिवस मनाया जायेगा। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, चैयारमैन कवी नरेन्द्र गुप्ता, ब्लाक प्रमुख मानिकपुर अरविन्द मिश्रा, अश्वनी अवस्थी, पंकज अग्रवाल, दिव्या त्रिपाठी, राखी चैबे, महेन्द्र कोटार्य, प्रेमलाल बाल्मीकि, हीरो मिश्रा, राजीव त्रिपाठी, बृजेन्द्र शुक्ला, जवाहर सोनी, जगदीश गौतम, राजेन्द्र अग्रहरी आदि मौजूद रहे।

सतना एवं बांदा सांसद ने ग्रामोदय मेला की तैयारियों का लिया जायजा



चित्रकूट। भारतरत्न राष्ट्रपति नानाजी देशमुख की जयंती के पावन अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान में 9 से 12 अक्टूबर तक लगने वाले विराट ग्रामोदय मेला (ग्रामोदय से राष्ट्रोदय) एवं सांस्कृतिक संस्था शरदोत्सव के आयोजन को लेकर तैयारियों जोर शोर से शुरू हो गई है। कारीगरों के द्वारा दिन रात डोम बनाने का काम किया जा रहा है, उसके अन्दर प्रदर्शनी के काउन्टर तैयार किये जा रहे हैं। दीनदयाल परिसर चित्रकूट में लगने वाले विशाल ग्रामोदय मेला के लिए शनिवार को सतना सांसद गणेश सिंह एवं स्थानीय सांसद आर के सिंह पटेल व दीनदयाल शोध संस्थान के उपाध्यक्ष ईजी उत्तम बनजो, जय ताम्रकार ने चित्रकूट पहुंच कर मेला की तैयारियों

एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन, कोषाध्यक्ष वसंत पंडित, उप महाप्रबंधक डॉ अनिल जायसवाल तथा भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के सदस्यों द्वारा सभी गतिविधियों एवं मेला स्थल का मुआयना कराया। मेला में सतना एवं चित्रकूट जिले के सभी विभागों की प्रदर्शनी तथा मध्यप्रदेश के सभी जिलों से एक जिला एक उत्पाद को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा देश की विरासत, प्रगति एवं विकास को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी 'ग्रामोदय मेला' में लगाई जाएगी, जिसमें भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार, निजी क्षेत्र के विभिन्न विभागों एवं लघु-कुटीर

उद्योगों के द्वारा आमजन के लिये ग्रामीण भारत की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। जिसके अन्तर्गत सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ फूड कानॉन, मनोरंजन, खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों का स्टॉल मेला में आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। साथ ही कृषि की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन विभिन्न विषयों पर सेमीनार का आयोजन एवं आयुर्वेद, प्राकृतिक, चिकित्सा तथा योग से सम्बन्धित विशेषताओं का प्रदर्शन, विभिन्न प्रतियोगितायें जिनमें निबंध, प्रश्नोत्तरी, तात्कालिक भाषण, चित्रकला, पाककला, मेहदी, रंगोली, स्वस्थ पशु प्रतियोगिता आदि आयोजित किये जाएंगे।

निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं निर्माण कार्य: डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में नगर पालिका, नगर पंचायत एवं डूडा के अंतर्गत कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक शनिवार को कैप कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में आप्रेशन कार्यालय के अंतर्गत नगर में स्थित 15 परिषदीय विद्यालयों में निर्धारित 14 बिंदुओं के अंतर्गत मरम्मत

का कार्य, रैन बसेरा के अवशेष बाउंड्री वाल का निर्माण, जल संस्थान द्वारा ट्यूबवेल, रैन बसेरा स्थित रैन वाटर हार्वीस्टिंग का कार्य, मानिकपुर में वाटर कूलर, कूड़ेदान, चूने की आपूर्ति, ट्री गाई, राजापुर में फार्मिंग मशीन, जनरेटर, रैन हार्वीस्टिंग, पाइपलाइन, नाला निर्माण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना, मऊ

कार्यालय की पुर्लिया निर्माण, पेंटिंग, सफाई कर्मियों के पास युनिफॉर्म, ओडीएफ, सॉलिड वेस्टलाइट, कान्हा गोशाला, भूषा-चारा, कर वसूली, कल्याण मंडप, आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने ट्यूबवेल, समरसेबल के अंतर्गत कहा कि अधिशासी अधिकारी कर्वां स्थान चिन्हित कर जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कोठी तालाब में बन रहे पार्क के लिए कहा कि कोतवाली के पास से एक रास्ता जाना चाहिए। उन्होंने बिंदीराम होटल के पास बन रहे एक सड़क की गुणवत्ता के शिकायत पर पीपीडब्ल्यूई की निर्देशित किया कि इसका निरीक्षण करें। पेंटिंग के संबंध में उन्होंने कहा कि प्लाईओवर पर अच्छी क्वालिटी से इसकी पेंटिंग कराएं उन्होंने अधिशासी

अधिकारी कर्वां को निर्देशित करते हुए कहा कि बाल पेंटिंग में स्वच्छ भारत मिशन, भगवान रामचंद्र जैसी पेंटिंग कराएं। उन्होंने कहा कि पहले प्लाईओवर फिर राम घाट व अन्य जगहों पर भी कराएं। कर्वां, मानिकपुर, राजापुर, मऊ में सफाई कर्मियों के पास युनिफॉर्म उपलब्ध है कि नहीं, भुगतान सही समय से कराएं।

अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर हुआ बुजुर्गों का सम्मान

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेशानुसार एवं प्रभारी जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चित्रकूट के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट द्वारा शनिवार को वृद्धाश्रम स्थित विनायकपुर, चित्रकूट में अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का



भरण पोषण अधिनियम 2007 पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस विधिक जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव पूर्णकालिक विदुषी मेहा, सचिव देहाती ग्रामोत्थान विकास समिति के संचालक प्रदीप कुमार मिश्रा, कामता प्रसाद मिश्रा, अधीक्षिका वृद्धाश्रम आदि मौजूद रहे।

इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर तहसील सभागार मऊ में वृद्धजन मतदाता सम्मान समारोह के अवसर पर वरिष्ठ मतदाताओं वृद्धजनों को सम्मानित किया। तहसील सभागार कर्वां में उपजिलाधिकारी कर्वां पूजा यादव, तहसीलदार राकेश कुमार पाठक ने भी वरिष्ठ मतदाताओं व वृद्धजनों को सम्मानित किया।

माध्यमिक शिक्षणेंतर संघ चित्रकूट की जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आज

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेंतर संघ जनपद चित्रकूट के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार शुक्ल ने बताया कि 2 अक्टूबर को गोरखामो इंटर कॉलेज छीवों में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेंतर संघ जनपद चित्रकूट की नवनिर्वाचित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित होगा। बताते चलें गत 18 सितंबर को कृषक इंटर कॉलेज भौरी में प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा की उपस्थिति में नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न हुआ था। जिसका संचालन के अनुसार शपथ ग्रहण होना अनिवार्य है, उसी क्रम में 2 अक्टूबर को यह कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम के संयोजक मंडलीय मंत्री लवकुश मिश्र में जनपद के सभी विद्यालयों के शिक्षणेंतर कर्मचारियों को समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होने का आवाहन किया है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत निकली जागरूकता रैली

चित्रकूट। सांसद आरके सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कर्वां नरेन्द्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत नगर पालिका परिषद कर्वां से हरीझंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण के रोकथाम एवं बचाव के लिए बच्चों, अधिकारियों कर्मचारियों को शपथ दिलाई। शनिवार को रैली में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे। रैली नगर पालिका परिषद कर्वां से शुभारंभ होकर बस स्टॉप, पटेल तिराहा, एलआईसी चैराहा होते हुए पुरानी बाजार कर्वां में समाप्त किया गया। सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान वेक्टर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम को कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान बुखार, टीबी लक्षण वाले व्यक्तियों के बारे में घर-घर जाकर पूछताछ की जाएगी। लक्षण मिलने पर चिन्हित कर उन्हें अस्पताल भेजा जाएगा। लक्षण मिलने वाले व्यक्ति का पूरा नाम-पता और मोबाइल नंबर समेत पूरा विवरण एएनएम द्वारा सीएचसी भेजा जाएगा। स्कूल-कालेज में प्रार्थना के समय प्रधानाचार्य, शिक्षकों विद्यार्थियों को संचारी रोगों से बचाव की जानकारी देंगे। जिले में सात से 21 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलेगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर बीमार लोगों की जानकारी जुटाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की अध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, पंकज अग्रवाल तथा अन्य जनप्रतिनिधि तथा संबंधित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विजेता प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

चित्रकूट। माध्यमिक विद्यालयों की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं पूरे जनपद में शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वां की विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताएं संपन्न हो गईं। विजेता खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य डॉ रणवीर सिंह चैहान, मुख्य शासन अधिकारी फूलचंद चंद्रवंशी, उप प्रधानाचार्य श्रीनिवास त्रिपाठी द्वारा प्रमाण पत्र बांटे गए। खेलकूद प्रभारी रमेश सिंह पटेल ने

बताया कि दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़, कूद, फेंक, साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि सीनियर जूनियर और सब जूनियर बालक बालिकाओं की प्रतियोगिता कराई गई। 100 मीटर की फरारत दौड़ में सीनियर वर्ग में रवि कांत को पहला स्थान मिला, जबकि जूनियर वर्ग में प्रदेश सिंह का

पहला स्थान रहा। 200 मीटर में रविकांत विश्वनाथ, 400 मीटर में विकास सिंह, अशोक कुमार, 800 मीटर में चंदन सिंह, आजम खान, पंद्रह सौ मीटर में रमाकांत, आजम खान, 5000 मीटर की लंबी रेस अभिषेक कुमार व अशोक कुमार ने जीती, जबकि बाधा दौड़ में तेजबली यादव ने बाजी मारी, वहीं प्रदीप सिंह को भी पहला स्थान मिला, 400 मीटर में रमाकांत, सीनियर बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ कल्पना पांडे ने जीती जबकि

जूनियर वर्ग में क्षमा देवी को पहला स्थान मिला। इसी तरह लंबी कूद में प्रतीक राजस्थान पाया, बालिका वर्ग में लवली सिंह को पहला स्थान मिला। ऊंची कूद में हिमांशु कुमार, गोला फेंक में प्रदीप कुमार, डिस्कस थ्रो में संजय कुमार, ललित राजपूत, आशीष मिश्रा, नंदकिशोर, गोता देवी, चांदनी, हैमर थ्रो में चांदनी, प्रदीप सिंह, अमन सिंह, काजल देवी को पहला स्थान मिला। प्रतियोगिताओं को सबसे संपन्न कराने में

और उद्बोधक की भूमिका में राम बचन सिंह, रामेश्वर प्रजापति, हरिओम सिंह, रामगोपाल दुबे, संतोष कुमार विश्वकर्मा, तीर्थ राजपूत, सोरभ त्रिपाठी, राम सिंघा वर्मा, प्रदीप पांडेय, शंकर प्रसाद यादव, भरत सिंह तोमर, प्रताप नारायण श्रीवास्तव, डॉ रमेश कुमार सिंह चंदेल, राकेश सिंह, मुछंडिया, शिव आधार पांडेय, पवन कुमार, मुकेश रायकवार, प्रदीप शुक्ला आदि सभी शिक्षक, कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

36वें राष्ट्रीय खेल: मध्यप्रदेश ने 1 स्वर्ण और 4 कांस्य पदक से खोला खाता

भोपाल। गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में पहले दिन मध्यप्रदेश ने 1 स्वर्ण और 4 कांस्य पदक जीतकर बेहतरीन शुरुआत की। गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय खेलों के तहत चल रहे एथलेटिक्स के मुकाबलों में मध्यप्रदेश की सपना वर्मन ने महिला हाई जम्प इवेंट में 1.83 मीटर कूदकर स्वर्ण पदक हासिल कर नया मीट रिकॉर्ड बनाया है। मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी ऑफ एक्सलेंस के अर्जुन वास्करले ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 1500 मीटर की रेस में 3.42.31 की टाइमिंग के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं के 1500 मीटर दौड़ में मध्यप्रदेश की दीक्षा एमके ने 4.20.92 की टाइमिंग के साथ कांस्य पदक हासिल किया। दीक्षा मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी ऑफ एक्सलेंस की खिलाड़ी है।

अहमदाबाद में 10 मीटर एयर राइफल पुरुष एकल में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी ऑफ एक्सलेंस के ओलम्पियन शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कांस्य पदक हासिल किया। गांधीनगर में कुश्ती मुकाबलों में मध्यप्रदेश के रोहित पटेल ने 157 किलोवर्ग फ्री स्टाइल में कांस्य पदक जीता। प्रदेश की खेल और युवा

कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के क्रेडिट है कि पुरुषों के 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता परवेज खान वर्तमान में राष्ट्रीय खेल में सर्वसेस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वे अप्रैल 2021 से मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी हैं। विगत राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है और उनके द्वारा मध्यप्रदेश एवं राज्य खेल अकादमी से कोई एनओसी नहीं ली गई है। राष्ट्रीय खेल के नियमानुसार कोई भी खिलाड़ी कम-से-कम 6 माह पूर्ण होने पर किसी राज्य अथवा सेना का प्रतिनिधित्व कर सकता है। मध्यप्रदेश एथलेटिक्स के अधिकारियों ने चैयारमैन गेम्स टेक्निकल कंडक्शन कमेटी गुजरात को पत्र लिखकर आपत्ति जताते हुए परवेज खान के पदक को मध्यप्रदेश राज्य की पदक तालिका में शामिल करने का आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है कि पुरुषों के 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता परवेज खान वर्तमान में राष्ट्रीय खेल में सर्वसेस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वे अप्रैल 2021 से मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी हैं। विगत राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है और उनके द्वारा मध्यप्रदेश एवं राज्य खेल अकादमी से कोई एनओसी नहीं ली गई है। राष्ट्रीय खेल के नियमानुसार कोई भी खिलाड़ी कम-से-कम 6 माह पूर्ण होने पर किसी राज्य अथवा सेना का प्रतिनिधित्व कर सकता है। मध्यप्रदेश एथलेटिक्स के अधिकारियों ने चैयारमैन गेम्स टेक्निकल कंडक्शन कमेटी गुजरात को पत्र लिखकर आपत्ति जताते हुए परवेज खान के पदक को मध्यप्रदेश राज्य की पदक तालिका में शामिल करने का आग्रह किया है।

गुजरात की इलावेनिल को स्वर्ण, एथलेटिक्स में नौ रिकॉर्ड टूटे

गांधीनगर। गुजरात की दिग्गज निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान ने मेजबान टीम को चौथा स्वर्ण पदक दिलाया जबकि ऑलिंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू, स्टर तलवारबाज भवानी देवी और पहलवान दिव्या काकरान ने भी यहां 36वें राष्ट्रीय खेलों में दबदबा कायम रखते हुए सोने के तमगे जीते। हालांकि सुखियां आईआईटी गांधीनगर में एथलेटिक्स एरना ने बटोरी जहां 9 नए रिकॉर्ड बने। एक मजदूर की बेटी मुनीता प्रजापति (उत्तर प्रदेश) और 17 वर्षीय परवेज खान (सेना) दिन के स्टर रहे। मुनीता ने महिलाओं की 20 किमी पैदल में इन खेलों का पहला रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने एक घंटा 38 मिनट और 20 सेकेंड का समय निकाला। परवेज खान ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में दिग्गज बहादुर प्रसाद के 28 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उन्होंने 3 मिनट 40.89 सेकेंड के समय से अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय से लगभग 2 सेकेंड समय कम लिया। एशियाई खेल 2018 की डेकाथलन चैंपियन स्वप्ना बर्मन ने यहां मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 1.83 मीटर के

प्रयास से महिलाओं की ऊंची कूद स्पर्धा का खिताब जीता जबकि प्रवीण चित्रावेल (तमिलनाडु) ने शीर्ष खिलाड़ियों की गैरसीजुदगी में 16.68 मीटर के रिकॉर्ड प्रयास से त्रिकूद में स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों की तार गोला फेंक स्पर्धा में दमनोत सिंह (पंजाब) और महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में किरण बलियान (उत्तर प्रदेश) ने भी नए रिकॉर्ड बनाए। पुरुषों के 100 मीटर सेमीफाइनल में अमलान बोरगोहेन (असम) ने 2015 में तिरुवनंतपुरम में हरियाणा के धर्मबीर सिंह के राष्ट्रीय खेलों के 10.45 सेकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अच्छी फॉर्म में चल रहे बोरगोहेन ने 10.28 सेकेंड का

समय लिया। वह 2016 में अमय कुमार मलिक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से 0.02 सेकेंड से पीछे रहे। गुजरात की नेटबॉल पुरुष टीम ने पांचवां पदक जीता जब तकनीकी समिति ने उन्हें कांस्य पदक दिया। कांस्य पदक के प्ले ऑफ के टाई रहने के बाद दिल्ली को भी कांस्य पदक मिला। अंकिता रैना की मौजूदगी में गुजरात की महिला टीम ने कर्नाटक पर 2-0 की आसान जीत के साथ टेनिस फाइनल में जगह बनाई। वे शनिवार को महाराष्ट्र के खिलाफ स्वर्ण पदक के मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे। भवानी देवी (तमिलनाडु) ने महिलाओं की सेबल स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। दिव्या काकरान (उत्तर प्रदेश) ने कुश्ती प्रतियोगिता में दांव पर लगे सभी छह स्वर्ण पदकों पर हरियाणा के क्लोन स्वीप को रोक दिया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हरियाणा की रितिका और रोहिणी सत्य शिवानी (तेलंगाना) तथा रानी (हिमाचल प्रदेश) को आराम से हराकर महिलाओं का 76 किग्रा वर्ग का खिताब जीता। हरियाणा के पुरुषों और ओडिशा की महिलाओं ने महाराष्ट्र की टीमों को हराकर रबी सेवन का स्वर्ण पदक जीता।

न्यू जापान प्रो रेसलिंग के संस्थापक एंटोनियो इनोकी का 79 वर्ष की आयु में निधन

टोक्यो। न्यू जापान प्रो रेसलिंग (एनजेपीडब्ल्यू) के संस्थापक और पूर्व पेशेवर पहलवान एंटोनियो इनोकी का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। एनजेपीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा, न्यू जापान प्रो-रेसलिंग संस्थापक और पूर्व पेशेवर पहलवान एंटोनियो इनोकी (असली नाम कांजी इनोकी) का 1 अक्टूबर को

टोक्यो में निधन हो गया। इनोकी सिस्टमिक ट्रांसथायरेटिन एमाइलॉयडोसिस से जूझ रहे थे, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह हजारों लोगों में से एक को प्रभावित करता है। वह 79 वर्ष के थे। योकोहोमा सिटी, कानागावा प्रान्त के इनोकी का जन्म 20 फरवरी, 1943 को हुआ था। वह 13 साल की उम्र में अपने परिवार के साथ ब्राजील चले गए और एक

कांफ्री बागान में काम किया। उन्होंने 17 साल की उम्र में टोक्यो में टैटो वाई जिमनेजियम में अपने असली नाम के तहत जापानी पेशेवर कुश्ती की दुनिया में प्रवेश किया। उन्होंने 1962 में अपना नाम बदलकर 'एंटोनियो इनोकी' कर लिया। जापान प्रो-रेसलिंग के साथ एक विवाद के बाद उन्हें निष्कासित कर दिया गया, उन्होंने न्यू जापान प्रो रेसलिंग

की स्थापना की, जो वर्तमान में खेल के कट्टर प्रशंसकों के बीच एक अत्यधिक लोकप्रिय कुश्ती खेल है। वह पहले आईडब्ल्यूजीपी हैवीवेट चैंपियन बने। अपने आजीवन प्रतिद्वंद्वी, ऑल जापान प्रो रेसलिंग ऑफ जाइंट बाबा के खिलाफ, उन्होंने मजबूत शैली की कलाकृत करते हुए चरम कुश्ती को बढ़ावा दिया। वह जापानी परिदृश्य में कई मैचों

का हिस्सा थे, जिसके कारण देश में पेशेवर कुश्ती में उछाल आया। इन वर्षों में, एनजेपीडब्ल्यू एशिया में सबसे सफल कुश्ती खेलों में से एक बन गया है। इनोकी एनजेपीडब्ल्यू में एक शीर्ष स्तर के स्टार थे, जिन्होंने कुछ बेहतरीन मैचों में स्टेन हैनसेन, टाइगर जीत सिंह और हल्क होमान का सामना किया।

का हिस्सा थे, जिसके कारण देश में पेशेवर कुश्ती में उछाल आया। इन वर्षों में, एनजेपीडब्ल्यू एशिया में सबसे सफल कुश्ती खेलों में से एक बन गया है। इनोकी एनजेपीडब्ल्यू में एक शीर्ष स्तर के स्टार थे, जिन्होंने कुछ बेहतरीन मैचों में स्टेन हैनसेन, टाइगर जीत सिंह और हल्क होमान का सामना किया।

का हिस्सा थे, जिसके कारण देश में पेशेवर कुश्ती में उछाल आया। इन वर्षों में, एनजेपीडब्ल्यू एशिया में सबसे सफल कुश्ती खेलों में से एक बन गया है। इनोकी एनजेपीडब्ल्यू में एक शीर्ष स्तर के स्टार थे, जिन्होंने कुछ बेहतरीन मैचों में स्टेन हैनसेन, टाइगर जीत सिंह और हल्क होमान का सामना किया।

का हिस्सा थे, जिसके कारण देश में पेशेवर कुश्ती में उछाल आया। इन वर्षों में, एनजेपीडब्ल्यू एशिया में सबसे सफल कुश्ती खेलों में से एक बन गया है। इनोकी एनजेपीडब्ल्यू में एक शीर्ष स्तर के स्टार थे, जिन्होंने कुछ बेहतरीन मैचों में स्टेन हैनसेन, टाइगर जीत सिंह और हल्क होमान का सामना किया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बम धमाका, दो की मौत तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुनने के मामले में चीन का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं

क्रेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के एक भीड़ भरे बाजार में बम धमाका हो गया। धमाके में दो लोगों की मौत हो गयी और 25 से अधिक लोग घायल हो गये।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बलूचिस्तान प्रांत के कोहलू जिले के मुख्य बाजार में मिठाई की एक दुकान में दोपहर अचानक जोरदार बम विस्फोट हुआ। अचानक हुए इस विस्फोट से क्षेत्र में भगदड़ मच गयी। 25 से अधिक घायलों को कोहलू जिला अस्पताल व आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया। वहां दो लोगों की मौत हो गयी। जिला अस्पताल के अधीक्षक असगर मारी के अनुसार सिर्फ जिला अस्पताल में ही 21 लोग भर्ती हैं। इनमें भी दस लोगों

की हालत अत्यधिक गंभीर है। कुछ गंभीर लोगों को डेरा गाजी खान शहर के बड़े अस्पताल रेफर



किया गया है। भीड़ भरे बाजार में एकत कन्वेंशनरी की दुकान में यह विस्फोट हुआ था। विस्फोट

इतना तेज था कि काफी दूर तक उसकी आवाज सुनी गयी। विस्फोट के कारण आकाश में

पर वायरल हो गये हैं। बड़ी संख्या में घायलों के कारण बाजार में अफरा तफरी भी मच गयी। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी भेजा गया है। फिलहाल इस विस्फोट को लेकर पाकिस्तान के सुरक्षा बलों की ओर से कोई दावा नहीं किया गया है। हालांकि पहले इस तरह के विस्फोटों के लिए बलूच आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के सलाहकार मीर जिया लैंगोव के मुताबिक शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे रिमोट कंट्रोल बम विस्फोट माना है। उन्होंने कहा कि बम निरोधक दस्ता घटना स्थल पर है और वे जल्द ही इसकी पुष्टि करेंगे कि विस्फोट किस प्रकृति का था।

धर्मशाला। धर्मशाला स्थित निर्वासित तिब्बत सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुनने के मामले में किसी सरकार या किसी व्यक्ति को दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। निर्वासित तिब्बत सरकार के मंत्रिमंडल (कशाग) का मानना है कि इस धार्मिक गतिविधि को उन जिम्मेदारियों के अनुसार संचालित किया जाना है जो परम पावन दलाई लामा ने प्रतिष्ठापित करके सौंपी हैं। धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार स्वयं धर्मगुरु को ही है। इस मामले में खासकर चीन सरकार

का कोई भी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं होगा। उनका कहना है कि अभी तक वैसे भी धर्मगुरु दलाई लामा 113 वर्षों तक जीवित रहेंगे जैसा कि धर्मगुरु ने खुद कई बार इस बारे में आश्वासित किया है। बावजूद इसके उनके पुनर्जन्म और उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार सिर्फ खुद दलाई लामा का है। गौरतलब है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार ने वर्ष 2007 में 'तिब्बती बौद्ध धर्म में जीवित बुद्धों के पुनर्जन्म के प्रबंधन उपायों' पर तथ्यांकित कानून को अपनाया। तबसे चीन

सरकार ने तिब्बत में सभी बौद्ध मठ प्रशासनों का प्रबंधन संभाला है और विशेष रूप से पुनर्जन्म वाले लामाओं जीवित बुद्धों को पहचानने की शक्ति पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। चीन ने ऐसा सिर्फ अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया है।

चीन सरकार सामान्य रूप से पुनर्जन्म के मुद्दे पर एक झूठे प्रपंचों को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं, चर्चा मंचों, टॉक शो आयोजित कर रही है। विशेष रूप से वर्तमान दलाई लामा के पुनर्जन्म को लेकर कईतरह की गतिविधियां पूरे तिब्बत में

आयोजित की जा रही हैं। हालांकि यह सत्य है कि दलाई लामा के पुनर्जन्म के मुद्दे पर तिब्बती समुदाय के भीतर और बाहर भी चर्चा जारी है। इसलिए केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के मंत्रिमंडल ने इस स्थिति को तिब्बती समुदाय के समक्ष रखने की आवश्यकता महसूस की है।

कशाग ने इस बारे अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उन्हें दृढ़ विश्वास है कि धर्मगुरु दलाई लामा के बार-बार आश्वासन के अनुसार 113 वर्ष की परिपक्व आयु तक जीवित रहेंगे। पुनर्जन्म वाले आध्यात्मिक प्राणियों को पहचानने की प्रणाली तिब्बती बौद्ध धर्म के लिए अद्वितीय धार्मिक प्रथा है। इस दर्शन के पीछे मूल विचार मृत्यु के बाद जीवन के सिद्धांत को स्वीकार करना है।

इस मामले पर परम पावन के विचारों का पूर्ण समर्थन करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका सहित दुनिया भर के उन स्वतंत्रता-प्रेमी लोकतांत्रिक देशों के प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं अधिक से अधिक समान विचारधारा वाले देशों से समान समर्थन प्राप्त करने के लिए उचित प्रयास करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह सिक्कीरिटी काउंसिल) के कानून का उल्लंघन किया है। इससे दोनों देश के बीच तनाव बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र यानी UN ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक हथियारों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं। इससे पहले मई में भी मिसाइल टेस्ट किया गया था।

नॉर्थ कोरिया ने दागी 2 मिसाइलें : यूएस, जापान और साउथ कोरिया की ज्वाइंट मिलिट्री ड्रिल के बीच मिसाइल टेस्ट किया; एक हफ्ते में चौथा परीक्षण

नॉर्थ कोरिया ने शनिवार सुबह, यानी आज एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। साउथ कोरिया आर्मी ने इसकी जानकारी दी है। उसने एक बयान में कहा- नॉर्थ कोरिया ने प्योंगयांग के सुनान क्षेत्र से ईस्ट सी में दो मिसाइलें दागी हैं। ईस्ट सी को सी ऑफ जापान भी कहा जाता है। जापान आर्मी ने भी इसकी पुष्टि की है। एक ही हफ्ते में ये चौथा मिसाइल टेस्ट है। इसके पहले 25 सितंबर, 28-29 सितंबर को एक-एक मिसाइल दागी गई थीं। ये टेस्टिंग अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया की

नॉर्थ कोरिया ने दागी 2 मिसाइलें : यूएस, जापान और साउथ कोरिया की ज्वाइंट मिलिट्री ड्रिल के बीच मिसाइल टेस्ट किया; एक हफ्ते में चौथा परीक्षण

ज्वाइंट मिलिट्री एक्सरसाइज के बीच और अमेरिकी वाइस-प्रेसिडेंट कमला हैरिस की विजिट के बाद की गई है। पांच साल में पहली बार इस क्षेत्र में तीनों देश मिलिट्री ड्रिल कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस परीक्षण की वजह साउथ कोरिया और अमेरिका के नजदीकी रिश्ते हैं। कमला हैरिस 28 सितंबर को साउथ कोरिया की राजधानी सियोल पहुंची थीं। यहां से वो उस जगह गईं जिसे छरूया डीमिलिटरीज जोन कहते हैं। यह वो जगह है, जहां नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया की सीमाएं मिलती हैं। यहां से

नॉर्थ कोरिया की बॉर्डर महज 50 मीटर दूर है। बॉर्डर पर एक हिस्सा ऐसा है, जहां नॉर्थ और साउथ कोरिया के आर्मी अफसरों के छोटे-छोटे केबिन बने हुए हैं। उन्होंने साउथ कोरिया के सैनिकों से मुलाकात भी की थी। 29 सितंबर को हैरिस के अमेरिका खाना होने के तुरंत बाद भी नॉर्थ कोरिया ने मिसाइल का परीक्षण किया था।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा- हाल ही में नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच तनाव बढ़ गया है। र-प्रेसिडेंट हैरिस के साउथ कोरिया दौरे के बाद 2 बार मिसाइलें

दागी गईं। कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह सिक्कीरिटी काउंसिल) के कानून का उल्लंघन किया है। इससे दोनों देश के बीच तनाव बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र यानी UN ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक हथियारों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं। इससे पहले मई में भी मिसाइल टेस्ट किया गया था।

नॉर्थ कोरिया ने दागी 2 मिसाइलें : यूएस, जापान और साउथ कोरिया की ज्वाइंट मिलिट्री ड्रिल के बीच मिसाइल टेस्ट किया; एक हफ्ते में चौथा परीक्षण

समुद्री सीमा पार करने पर पाकिस्तान ने 16 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की समुद्री सीमा में जाने पर पाकिस्तान ने 16 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और दो नौका जब्त की है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने कहा कि उनके एक जहाज ने मंगलवार को पाकिस्तान में समुद्री क्षेत्रों में नियमित निगरानी के दौरान 16 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और दो भारतीय नौकाओं को जब्त किया।

पीएमएसए ने एक बयान में कहा कि भारतीय नौकाओं को समुद्र में पाकिस्तानी कानून और संयुक्त राष्ट्र कानून के उल्लंघन के आरोप में पकड़ा गया है। प्रारंभिक जांच के बाद, नौकाओं को कराची ले जाया गया और पकड़े गए मछुआरों को आगे की कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए डॉक्स पुलिस को सौंप दिया गया। पीएमएसए के जहाज, विमान और नावें स्थानीय मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए नियमित रूप से पाकिस्तान के समुद्री क्षेत्रों की गश्त और निगरानी करते हैं, जबकि यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी विदेशी मछली पकड़ने वाला जहाज देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के अंदर अवैध शिकार न करे। गौरतलब है कि पाकिस्तान और भारत नियमित रूप से एक दूसरे देश के मछुआरों को समुद्री सीमा का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार करते रहते हैं।

5जी डिजिटल कामधेनु, देशभर में दिसंबर तक जियो की सर्विस: मुकेश अंबानी



नई दिल्ली। देश में अल्ट्रा हाई-स्पीड इंटरनेट सर्विस की शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इंडियन मोबाइल कांफ्रेंस-2022 (आईएमसी) में 5जी सर्विस का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर निजी क्षेत्र की दो बड़ी मोबाइल कंपनियों ने देश में 5जी मोबाइल सर्विस की शुरुआत की है। एयरटेल ने वाराणसी और जियो ने अहमदाबाद के एक गांव से 5जी सर्विस की शुरुआत की है। इस दौरान उत्तर प्रदेश और गुजरात के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे।

इस अवसर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि 5जी डिजिटल कामधेनु है। इस तकनीक से भारतीयों की जिंदगी में हेल्थ, वेल्थ और हैपीनेस आएगी। इससे सस्ती और क्वालिटी हेल्थकेयर सर्विस देना संभव होगा। अंबानी ने कहा कि जियो की 5जी सर्विस दिसंबर तक देश के हर कोने में पहुंचा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भरे विचार से 5जी वह मूलभूत तकनीक है, जो 21वीं सदी की अन्य तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन और मेटावर्स की पूरी क्षमता को अनलॉक करने में मदद करेगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित छठी इंडिया मोबाइल कांफ्रेंस 2022 (आईएमसी) में 5जी सर्विस का शुभारंभ किया। इसके साथ ही 1 से 4 अक्टूबर तक चलने वाली आईएमसी 2022 का उद्घाटन भी किया

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फौंड
योग सत्यम् समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज सं मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झुसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
संपादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस नं.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

16 साल बाद कनाडा में डॉक्टरों की कमी: इमरजेंसी में भी 100-125 घंटे स्ट्रेचर पर इंतजार, राष्ट्रीय संकट के हालात

टोरंटो। कनाडा में मेडिकल सिस्टम की सेहत बिगड़ने लगी है। यहां आपात चिकित्सा पर संकट मंडराने लगा है। हालत ये है कि मरीजों को इलाज के लिए 100 से 125 घंटे तक का इंतजार करना पड़ रहा है। ट्रॉमा के मरीजों को भी चार दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है।

कनाडा में हेल्थ वर्कर्स की भारी कमी है। हालत ये है कि प्राथमिक चिकित्सा से ठीक हो सकने वाले मरीज भी देखभाल के आभाव में बीमार पड़ जा रहे हैं। कनाडा में लगभग 7500 डॉक्टरों की कमी है। ऑटोरियो के आपातकालीन चिकित्सक डॉ. रू वेणुगोपाल का मानना है कि यह सब कुछ राजनीतिक भी है। उन्होंने कहा कि ऑटोरियो में 20 से अधिक इमरजेंसी डिपार्टमेंट्स को कर्मचारियों की कमी के कारण बंद करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि ये संकट नहीं है। ऐसा कहना अनुचित है। स्वास्थ्य बजट बढ़ाने का प्रस्ताव

कनाडा के मेडिकल एसोसिएशन ने भी इसे राष्ट्रीय संकट कहा है। वहीं प्रांतीय नेताओं ने भी इसको लेकर आवाज तेज



की है। जुलाई में हुए मंत्रियों के सम्मेलन में स्वास्थ्य बजट को 22ब से बढ़ाकर 35ब करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, लेकिन इस सब पर कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का कहना है कि इस साल

स्वास्थ्य के लिए मिलने वाले 3.70 लाख करोड़ रुपए का सकारात्मक परिणाम देना चाहते हैं। मीडिया से

बातचीत में उन्होंने कहा कि इससे पहले की सरकारों के बहुत भारी निवेश ने आवश्यक सुधार नहीं किए हैं। स्वास्थ्य मंत्री जीन-यवसे डुक्लोस लगातार सुधार करने की बात कर रहे हैं।

कनाडा में वर्तमान सरकार ने सत्ता संभालने पर सभी प्रांतों के लिए कुल 2.62 लाख करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया था। जिसमें 7500 नए फेमिली डॉक्टर और नर्सों को नियुक्त किया जाना था।

2006 के बाद पहली बार इमरजेंसी वार्ड बंद करने की नौबत पत्रकारों का आरोप है कि स्वास्थ्य मंत्री से जब इस पर सवाल पूछा गया तो वो बिना जवाब दिए चले गए। 2006 के बाद कनाडा में पहली बार ऐसी स्थिति आई है जब इमरजेंसी वार्ड भी बंद करने की नौबत आ गई है। आलम ये है कि सामान्य तौर पर एक रात और कभी कभी पूरे सप्ताहों पर इमरजेंसी सेवाएं बंद करनी पड़ रही हैं।

नर्सों की भारी कमी के चलते सबसे अधिक आबादी वाले इलाके ऑटोरियो में 16 इमरजेंसी विभागों को बंद करना पड़ा। वहीं न्यूफाउंडलैंड और लैब्राडोर में

तीन लाख से अधिक की आबादी पर एकमात्र सामुदायिक अस्पताल 1 जुलाई से 29 अगस्त तक बंद रहा।

स्वास्थ्य मंत्री जीन-यवसे डुक्लोस ने पिछले महीने घोषणा कर चीफ नर्सिंग ऑफिसर के पद को पुनः बहाल करने की घोषणा की है। इस पद को सरकार ने दस साल पहले खत्म कर दिया था।

हेल्थ कर्मियों के लिए फंड बढ़ाया जा रहा
इस संकट से निपटने के लिए कनाडा की सरकार और देश के स्वास्थ्य अधिकारी ने विदेशों से नर्सों को बुलाने और हाल ही में रिटायर्ड नर्सों को फिर से नौकरी पर रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अधिकांश प्रांत अपने स्तर पर ही प्रयास कर रहे हैं।

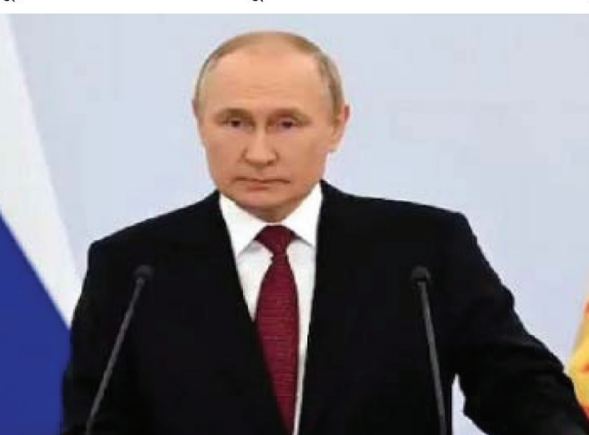
सस्केचेवान प्रांत ने हेल्थ कर्मियों के लिए फंड बढ़ाया है। इसमें नए डॉक्टरों, नर्सों और अन्य मेडिकल कर्मियों की भर्ती की जाएगी।

पुतिन ने पश्चिमी देशों को सुनाई खरी-खोटी, कहा-भारत और अफ्रीका को लूटा

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ युद्ध में जीते हुए चार क्षेत्र लुहांस्क, डोनेस्क, खेरसान और जपोरीजिया को रूस में मिला लिया। इसके साथ ही यूक्रेन के 15 प्रतिशत हिस्से पर अब रूस का नियंत्रण हो गया है। इस खुशी में क्रेमलिन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में पुतिन ने पश्चिमी देशों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि इन देशों ने भारत और अफ्रीका जैसे देशों को जमकर लूटा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, इन देशों ने गुलामों का व्यापार किया। अमेरिका में मूल निवासियों की हत्या की। भारत और अफ्रीका जैसे देशों को लूटा। चीन के खिलाफ ब्रिटेन और फ्रांस ने लड़ाई लड़ी। तमाम देशों को नशे

में ड्रॉक दिया। पूरे समूह को जान-बूझकर अतिवादी बना दिया। भूमि



और संसाधन बचाने के लिए पशुओं की तरह मनुष्यों का शिकार किया। यह मनुष्य की प्रकृति, सच्चाई, स्वतंत्रता और

न्याय के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश अपने फायदे के लिए

अंतर्विरोध है कि पश्चिम ने सच्चाई, स्वतंत्रता और न्याय की कीमत पर भारत जैसे देशों को लूटा। पश्चिम ने अपनी उपनिवेशवादी नीति मध्यकाल में शुरू कर दी थी। पुतिन के भाषण के दौरान जपोरीजिया से भयावह खबर आई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब रूस जपोरीजिया को अहम हिस्सा बना रहा था तो उसके सैनिक शहर पर हमला कर रहे थे। यूक्रेन सरकार के अनुसार रूसी हमले में 30 लोग मारे गए और 88 घायल हो गए। जपोरीजिया के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्जेंडर स्तारुख ने बताया कि लोगों का एक काफिला रूस नियंत्रित क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा था। उसी दौरान रूसी बलों ने हमला किया।

अंतर्विरोध है कि पश्चिम ने सच्चाई, स्वतंत्रता और न्याय की कीमत पर भारत जैसे देशों को लूटा। पश्चिम ने अपनी उपनिवेशवादी नीति मध्यकाल में शुरू कर दी थी।

पुतिन के भाषण के दौरान जपोरीजिया से भयावह खबर आई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब रूस जपोरीजिया को अहम हिस्सा बना रहा था तो उसके सैनिक शहर पर हमला कर रहे थे। यूक्रेन सरकार के अनुसार रूसी हमले में 30 लोग मारे गए और 88 घायल हो गए। जपोरीजिया के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्जेंडर स्तारुख ने बताया कि लोगों का एक काफिला रूस नियंत्रित क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा था। उसी दौरान रूसी बलों ने हमला किया।

हिजाब विरोधी प्रदर्शनों की आग में जल रहा ईरान, धार्मिक पुलिस चीफ की हत्या

ईरान। ईरान में महसा अमीनी (22) की पुलिस हिरासत में मौत के बाद पूरा देश हिजाब विरोधी प्रदर्शनों की आग में जल रहा है। एंटी हिजाब मुहिम पूरे ईरान में फैल चुकी है। जगह-जगह हिंसक प्रदर्शनों में कई लोगों की मौत हो चुकी है। बंदूकधारी प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारियों को भी निशाना बना रहे हैं। ईरान की धार्मिक पुलिस के प्रमुख की गोली मारकर हत्या कर दी गई। ईरान में एंटी हिजाब प्रदर्शनों ने अयातुल्लाह अली खुमेनी की सरकार को हिला कर रख दिया है। महसा अमीनी की हिजाब न पहनने के कारण पहले गिरफ्तारी और फिर पुलिस कस्टडी में मौत ने देश में नया तुफान ला दिया है। देश के कई हिस्सों में लोग हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एंटी हिजाब की मुहिम चल रही है। दुनिया के कई सेलीब्रिटी सार्वजनिक रूप से अपने बाल काटकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कर रही हैं। इसी प्रदर्शन के बीच इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के खुफिया प्रमुख अली मौसवी की प्रदर्शनकारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मौसवी ईरान की धार्मिक पुलिस प्रमुख थे। धार्मिक पुलिस देश में हिजाब समेत शरिया कानून के नाम पर लाए गए नियमों को पालन कराती है। ईरान में अर्ध-सरकारी सरकारी एजेंसी सतनीम ने बताया कि सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में आईआरजीसी की खुफिया इकाई के मुख्य कमांडर अली मौसवी की जाहदेदान शहर में बंदूकधारियों ने सीने पर गोली मारकर हत्या कर दी। बंदूकधारी सरकार के खिलाफ एंटी हिजाब मुहिम का हिस्सा है।

अमेरिका ने रूस के कई अहम व्यक्तियों और कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

यूक्रेन के क्षेत्रों पर कब्जे को बताया फर्जी वाशिंगटन। यूक्रेन के कुछ भू भागों को रूस द्वारा अपने देश में मिलाने पर अमेरिका ने इस विलय को फर्जी करार देते हुए इसे खारिज कर दिया है। साथ ही अमेरिका ने रूस के 1000 से अधिक लोगों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की सर्जिकल स्ट्राइक की है। अमेरिका द्वारा नए प्रतिबंध सूची में रूस के सेंट्रल बैंक गवर्नर और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्यों के परिवार भी शामिल हैं। यूक्रेन के चार क्षेत्रों को अपने देश में शामिल करने के रूस के

ऐलान के साथ ही पुतिन ने यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए बैठने



का आग्रह भी किया, लेकिन आगाह किया कि मास्को रूस में शामिल किए गए उसके हिस्से को नहीं छोड़ेगा।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने अपनी सूची में 57 कंपनियों को

कहा, 'हम पुतिन के साथ खड़े नहीं होंगे क्योंकि वह धोखे से यूक्रेन के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'वित्त मंत्रालय और अमेरिकी सरकार रूस के पहले से ही खराब हो चुके सैन्य औद्योगिक परिसर को और कमजोर करने तथा इसके अवैध युद्ध छेड़ने की क्षमता को कमजोर करने के लिए आज व्यापक कार्रवाई कर रहे हैं।' रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को धाता बताते हुए यूक्रेन के कुछ हिस्सों को रूस में मिलाने की घोषणा की। क्रेमलिन के भव्य श्वेत और सुनहरे सेंट जॉर्ज हॉल में विलय

समारोह में पुतिन और यूक्रेन के चार क्षेत्रों के प्रमुख, रूस में शामिल होने के लिए संधियों पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही सात महीनों से चल रहे युद्ध में और तेजी आने की आशंका है। रूस द्वारा यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों को अपने में मिलाने के लिए किए गए जनमत संग्रह के तीन दिनों बाद चार क्षेत्रों को मिलाने का ऐलान किया गया।

यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने इसे सीधे-सीधे जमीन कब्जाना कारण देते हुए कहा कि यह बंदूक के बल पर झूठी कवायद है। पूर्वी यूक्रेन के अलगाववादी दोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्र को 2014 में

आजादी की घोषणा के बाद से ही रूस का समर्थन मिला था। यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप के विलय के कुछ हफ्तों बाद ही रूस ने यह कदम उठाया था। वहीं यूक्रेन के जापोरीजिया शहर पर रूस के ताजा हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 28 घायल हुए हैं।

जापोरीजिया के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्जेंडर स्तारुख ने एक ऑनलाइन बयान जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस की सेना ने रूस के कब्जे वाले क्षेत्र की ओर मानवीय सहायता लेकर जा रहे एक काफिले पर हमला किया।